हरिभूमि
रायपुर भूमि

नगर निगम और शासन प्रशासन की बेरुखी

10 साल में छह बार सर्वे कर 20 हजार आटो के लिए बनाए सिर्फ दो स्टैंड, 100 से ज्यादा का प्लान फेल, इसलिए जाम

स्मार्ट शहर में आटो स्टैंड का टोटा, एक दर्जन जगहों पर पार्किंग की जगह है, पर व्यवस्था नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

14 लाख की आबादी वाले रायपुर शहर में 20 हजार आटो रिक्शा के लिए केवल 2 आटो स्टैंड बनाए गए हैं, जबकि 100 से ज्यादा जगहों पर आटो स्टैंड बनाने का प्रस्ताव सालों से लंबित है। नगर निगम और यातायात विभाग ने इसके लिए सर्वे कराकर 107 जगहों को चिन्हांकित किया, पर इसे आटो स्टैंड के रूप में व्यवस्थित करने ध्यान नहीं दिया जा रहा। इससे भीड़ वाली सड़क पर अव्यवस्थित रूप से आटो रिक्शा पार्क करने से आए दिन ट्रैफिक जाम की समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा है। नगर से महानगर का स्वरूप ले रहे राजधानी रायपुर में ▶▶|शेष पेज 15 पर

मार्किंग कराई थी, बोर्ड भी लगाए थे

नगर निवेश विभाग के माध्यम से जोनवाइज आटो स्टैंड के लिए मार्किंग कराई थी, कुछ जगहों पर बोर्ड भी लगाए गये थे। धरातल पर स्थिति क्या है, इसकी जल्द जानकारी लेकर दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

- विनोद पांडे, अपर आयुक्त नगर निगम रायपुर

10 साल में 6 बार हुआ सर्वे

सूत्रों के मुताबिक ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम द्वारा शहर में नए आटो स्टैंड की जगह तलाशने पिछले दस साल में 6 बार सर्वे किया गया। सर्वे के बाद 107 जगहों पर आटो स्टैंड की जरूरत महसूस की गई। इसके मुताबिक बीरगांव से लेकर भनपुरी, खमतराई, फाफाडीह, डीके चौक से लेकर रेलवे स्टेशन, तेलघानी नाका चौक, अग्रसेन चौक, आमापारा, कालीबाड़ी चौक, टिकरापारा सिद्धार्थ चौक, पचपेड़ी नाका चौक, डूमरतराई, लालपुर चौक, माना कैंप, विधानसभा से जीरो पाइंट, आमासिवनी, सड्डू, कचना, लोधीपारा, शंकरनगर चौक, तेलीबांधा चौक मरीन ड्राइव, वीआईपी चौक, जोरा चौक, लभांडी चौक से लेकर मंदिर हसौद चौक तक। इसके अलावा नया बस स्टैंड भाठागांव चौक, ▶▶|शेष पेज 15 पर

खबर संक्षेप

प्रयास के बच्चों का थाने के सामने प्रदर्शन

रायपुर। गरीब बच्चों को शिक्षा देने के लिए संचालित प्रयास संस्था के छात्रों ने क्षेत्र में बड़े पैमाने पर संचालित जुआ, सट्टा, मादक पदार्थों की अवैध खरीद बिक्री तथा संस्था की जमीन पर कब्जा करने के विरोध में टिकरापारा थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया। छात्रों ने क्षेत्र में संचालित सभी तरह की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की मांग की। पुलिस ने छात्रों की मांग पर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

रेप के आरोप में गिरफ्तार

रायपुर। तेलीबांधा थाने की पुलिस ने महिला असिस्टेंट प्रोफेसर की शिकायत पर कांकेर, नरहरपुर के रेंजर विजयवंत तिवारी को रेप के आरोप में को गिरफ्तार किया है। महिला प्रोफेसर ने रेंजर पर गर्भपात कराने का भी आरोप लगाया है। महिला प्रोफेसर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि रेंजर ने सोशल मीडिया के माध्यम से उससे दोस्ती कर अपने प्रेम जाल में फंसाया और शादी करने का झांसा देकर वीआईपी रोड स्थित एक होटल में ले जाकर रेप किया।

नामजद रिपोर्ट दर्ज कराने समिति सदस्यों की पहचान की जा रही

शासकीय भूमि पर कब्जा, तोड़फोड़ के बाद अब होगी एफआईआर, निगम करेगा कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के संत रविदास वार्ड नंबर-70 के सरोना क्षेत्र में लगभग 6 हजार वर्गफीट शासकीय भूमि पर एक समिति ने अवैध कब्जा किया था। नगर निगम इस जमीन को कब्जा मुक्त कराने के बाद अब समिति के लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए समिति के सभी सदस्यों की पहचान की जा रही है, ताकि सभी के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई जा सके। इधर तहसील कार्यालय से भी इस जमीन से संबंधित सारे दस्तावेज निगम को भेजे गए हैं, ताकि समिति के सदस्यों के विरुद्ध शासकीय जमीन पर कब्जा करने के मामले में कानूनी कार्रवाई की जा सके।

राजधानी रायपुर में भू-माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि शासकीय जमीनों पर भी कब्जा करने ▶▶|शेष पेज 15 पर

घटना पंडरी थाना क्षेत्र की

रजिस्ट्री पर रोक लगाने कहा गया

बताया जा रहा है, बिल्डर ने अवैध प्लाटिंग करते हुए कई लोगों से टुकड़ों में जमीन का सौदा भी किया है। इसे देखते हुए कमिश्नर ने तहसील कार्यालय के माध्यम से इस जमीन का खसरा नंबर की रजिस्ट्री पर रोक लगाने के लिए पंजीयन विभाग को सूचित करने के लिए कहा है।

एफआईआर के लिए दिया आवेदन

इधर, वीर सावरकर नगर वार्ड-1 के मामले में आवेदन दिया गया है। यहां जरवाय क्षेत्र में एक बिल्डर द्वारा 50 एकड़ निजी भूमि पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। बिल्डर ने जमीन पर सीसी रोड का निर्माण करा लिया था। निगम की टीम ने इस अवैध प्लाटिंग के काम पर तत्काल रोक लगाई और सीसी रोड को पोकलेन मशीन से तोड़कर हटाने की कार्रवाई की। इस मामले में निगम ने बिल्डर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने में आवेदन दिया है।

अवैध कब्जा को लेकर कोर्ट के आदेश पर पार्षद सहित दो के खिलाफ अपराध दर्ज

निजी भूमि पर कब्जा कर दूसरे को बेचे जाने के मामले में कोर्ट के आदेश पर पंडरी थाने

की पुलिस ने पार्षद तथा एक अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 319, 322, 324, 329, 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया है। पार्षद पर अवैध कब्जा की जमीन खरीदने का आरोप है।

पुलिस के मुताबिक आजाद चौक, नगर निगम कालोनी निवासी 64 वर्षीय योगेश कुमार वार्ष्णेय की शिकायत पर जेएमएफसी खिलेश्वरी की कोर्ट के आदेश पर जेल रोड, साईं नगर निवासी दिनेश राठौर तथा राजातालाब ▶▶|शेष पेज 15 पर

सुनवाई नहीं होने पर कोर्ट में परिवाद दाखिल

जमीन कब्जा करने को लेकर योगेश ने दिनेश तथा कामरान के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। ऊंची पहुंच तथा रसूख के कारण पुलिस ने योगेश की शिकायत पर कोई संज्ञान नहीं लिया। इस पर योगेश ने दिनेश तथा कामरान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने कोर्ट में परिवाद दाखिल किया। दोनों पक्षों की सुनवाई करने के बाद पुलिस ने दिनेश तथा कामरान के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

गर्ल फ्रेंड को गाली देने से नाराज युवक ने साथियों संग मिलकर सिर फोड़कर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में पुलिस ने सिर फोड़कर युवक की अंधे कत्ल की गुत्थी को महज चार घंटे के भीतर सुलझाने में कामयाबी हासिल की है। हत्या की वजह मृतक द्वारा आरोपी की गर्ल फ्रेंड से गाली-गलौज करना बताया जा रहा है। मृतक मध्यप्रदेश का रहने वाला है। रायपुर में वह एक ट्रक में हेल्परी का काम करता है।

पुलिस के मुताबिक मध्यप्रदेश सीधी निवासी रमेश कोल की हत्या के आरोप में किशन राजपूत, रोशन ध्रुव तथा उनके एक नाबालिग साथी को गिरफ्तार किया गया है। रमेश की लाश बाहनाकाड़ी स्थित गिट्टी खदान ▶▶|शेष पेज 15 पर

बातचीत करने के बहाने बुलाकर हत्या

पुलिस के अनुसार मृतक की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने उससे मिलने वालों के बारे में जानकारी जुटाई। इसी दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि रमेश आखिरी बार रोशन तथा किशन के साथ देखा गया था। पूछताछ में किशन ने पुलिस को बताया कि रमेश ने उसकी गर्ल फ्रेंड के साथ गाली-गलौज की थी। इस बात की जानकारी मिलने पर उसने रमेश को समझाइश देने के लिए बुलाया था। इसी दौरान गाली-गलौज करने की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आवेश में ▶▶|शेष पेज 15 पर

खबर संक्षेप

नव निर्वाचित विधायक सोनी आज विस में लेंगे शपथ

रायपुर। रायपुर दक्षिण के नव-निर्वाचित विधायक सुनील कुमार सोनी गुरुवार को सुबह 11 बजे विधानसभा के अध्यक्षीय कक्ष में सदस्यता की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि श्री सोनी ने शपथ ग्रहण से पूर्व विधानसभा भवन में सचिव दिनेश शर्मा से मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान निर्वाचन प्रमाणपत्र और आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा किया। सोनी ने विधानसभा सचिव से विधायकों को मिलने वाली सभी सुविधाओं और संसाधनों की विस्तृत जानकारी ली।

नवागढ़ में 19 से 21 तक पंथी नृत्य प्रतियोगिता

रायपुर। राज्य स्तरीय पंथी नृत्य प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों के पंथी नर्तक दल हिस्सा लेंगे। यह प्रतियोगिता बेमेतरा जिले के विकासखण्ड मुख्यालय नवागढ़ में 19 से 21 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल के नेतृत्व में सतनामी समाज प्रमुखों के दल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में भेंट कर उन्हें प्रतियोगिता में शामिल होने का न्योता दिया।

रेडी टू ईट बनाने के लिए काम देने का वादा, भूल गई सरकार

रायपुर। आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए 1786 स्व सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले रेडी टू ईट को सरकार ने बांटने की मुहिम 2009 में शुरू करते हुए हजारों महिलाओं को काम दिया। वहीं पूर्व सरकार ने समूहों के हाथ से इस काम को छीनकर प्राइवेट एजेंसी को दे दिया। इसके खिलाफ जब महिलाओं ने मोर्चा खोला, तो बीजेपी ने सत्ता में आने पर वापस काम देने का भरोसा दिलाया और इसे घोषणापत्र में शामिल किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला स्व सहायता समूह रेडी टू ईट संघ की कल्पना पाटिल, सरस्वती दुबे, रेखा तिवारी, मोंगरा देवी साहू, पिंकी वर्मा ने सोमवार को प्रेसवार्ता में बताया कि हमें मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली कि महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े पूर्व में रेडी टू ईट बनाने वाले समूहों को वापस काम दिलाने के लिए प्रक्रिया कर रही हैं। इससे उम्मीद जगी कि हमें काम मिलेगा। सच्चाई यह है कि पूर्व में रेडी टू ईट बनाने वाली महिलाएं अभी तक बेरोजगार हैं। हमें रेडी टू ईट का पैकेट तैयार करने के लिए अभी तक कोई दिशा-निर्देश नहीं मिला है। अगर समय रहते रेडी टू ईट बनाने का काम हमें वापस नहीं दिया गया, तो उग्र आंदोलन करने के लिए विवश होंगे।

घायल जवानों को राज्यपाल ने दी आर्थिक सहायता

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए नक्सली हिंसा में घायल हुए कांकेर जिले के जिला रिजर्व फोर्स के दो जवानों खिलेष्वर गावड़े और हिरामन यादव को बेहतर ईलाज के लिए 25-25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता अपने स्वेच्छानुदान मद से प्रदान की है। इसके अलावा सषस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर संचालनालय सैनिक कल्याण बोर्ड को 2 लाख रूपए की राषि भी स्वेच्छानुदान मद से प्रदान की है।

एक फोन से विजय लक्ष्मी को मिली मेडिकल अलाउंस राशि

रायपुर । एक फोन से वार्ड नंबर-35 निवासी विजय लक्ष्मी चौहान को मेडिकल अलाउंस की राशि मिल गई। उसने कलेक्टोरेट जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन करके मेडिकल अलाउंस देरी से मिलने की शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि वह राजस्व विभाग में पदस्थ है। उन्होंने राजधानी स्थित एमजीएम अस्पताल में आंख का आपरेशन करवाया था। उनको 33 हजार 6 सौ रूपए का बिल विभाग से मिलना था, लेकिन भुगतान मिलने में देरी हो रही थी। इस शिकायत के बाद संबंधित विभाग ने तत्काल मेडिकल बिल का भुगतान करवा दिया, जिसकी जानकारी विजय लक्ष्मी को दी गई।

किसानों से कहा जा रहा 50 प्रतिशत बारदाना लाएं तभी होगी खरीदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

धान खरीदी के बीच अब बारदाने की कमी से किसानों की नाराजगी देखने को मिल रही है। अधिकतर खरीदी केंद्रों में पुराने बारदाने की कमी हो रही है। कई खरीदी केन्द्रों में जो किसान धान लेकर मंडियों में पहुंचे हैं, उन किसानों से 50 प्रतिशत बारदाना मंगाया जा रहा है। केंद्रों में बारदाना की कमी देखी जा रही है। बारदाने की कमी को लेकर समितियों का कहना है कि पुराने बारदाना की कमी के कारण हम किसानों से 50 प्रतिशत बारदाना लाने को कह रहे हैं, तभी खरीदी हो पाएगी। जिन-जिन किसानों का टोकन कटा है, वे किसान आनन फानन में बाजार से 30 से 35 रुपए की दर से बारदाना खरीद रहे हैं। इसका असर उनकी आर्थिक स्थिति पर भी पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि अभी धान खरीदी की शुरुआत से ही सरकार के पास बारदाना की किल्लत हो गई है। अभी पूरे 2 माह तक धान खरीदी चलेगी। बाजार में बारदाना की कालाबाजारी भी शुरू हो गई है, जिसके कारण 20 का पुराना बारदाना 30 से 35 में बिक रहा है।

समितियों में बारदाना संकट, राइस मिलरों की हड़ताल का असर

बाजार में कालाबाजारी का असर

बारदाने की कमी का फायदा उठाकर बाजार में कालाबाजारी शुरू हो गई है। जहां पुराने बारदाने की कीमत पहले 20 थी, वहीं अब 30 से 35 प्रति बारदाना किसानों को खरीदने पर मजबूर होना पड़ रहा है। इससे किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। किसानों का कहना है कि खरीदी की शुरुआत में ही बारदाने की किल्लत हो रही है, तो अगले दो महीनों तक यह समस्या और गंभीर हो सकती है।

कई जिलों में बारदाने की कमी

कई जिलों में बारदाने की कमी के कारण खरदी प्रभावित हरो रही है। कवर्धा और बालोद जिलों में बारदाने की कमी के चलते किसान अपने धान की तौलाई नहीं होने के कारण धान वापस ले जा रहे हैं।

भगुतान जानकारी समिति स्तर पर हो

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी जिलों के कलेक्टरों और संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में यह जानकारी दी है। उन्होंने कलेक्टर को निर्देश दिए कि जूट बारदाने के इस अतिरिक्त भुगतान की जानकारी समिति व ग्राम स्तर के प्रभारी अधिकारियों के माध्यम से दी जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को उनके अधिकार की पूरी जानकारी मिले और वे इस योजना का लाभ उठा सकें। किसानों को धान खरीदी में अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए।

कस्टम मिलिंग का बारदाना वापस नहीं पहुंचा सोसाइटी

इसकी समस्या की मुख्य वजह यह है कि, मिलर की हड़ताल के चलते कस्टम मिलिंग में जो धान गया है। वहां से बारदाना वापस सोसाइटी में अभी तक नहीं पहुंचा है। वहीं धान खरीदने के लिए 50-50 का रेशियो रखा गया है। मतलब आधे नए बारदाने में खरीदी होगी और आधे पुराने में होगी। मिलर हड़ताल के चलते पुराने बारदाने की उपलब्धता नहीं हो पा रही है।

अधिकतर निकायों का कार्यकाल जनवरी के पहले सप्ताह में हो रहा समाप्त

निकाय-पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद काबिज होंगे प्रशासक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर अभी तक असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इन संस्थाओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, लेकिन नए चुनाव कब होंगे, यह तय नहीं है। सरकार चाहती है कि पंचायत और निकाय चुनाव एक साथ कराए जाएं, लेकिन अगर समय पर चुनाव नहीं हो पाते हैं, तो प्रशासक इन संस्थाओं का कामकाज संभालेंगे।

निकायों का कार्यकाल पांच साल का होता है। चुनाव आमतौर पर कार्यकाल खत्म होने से कुछ महीने पहले करा लिए जाते हैं। इसका मकसद यह होता है कि नई सरकार समय पर काम शुरू कर सके। इससे काम पर नेगेटिव असर नहीं पड़ता और सामान्य रफ्तार से सुचारू काम होता रहता है। प्रदेश के अधिकतर निकायों का कार्यकाल जनवरी के पहले सप्ताह में खत्म हो रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से चुनाव की तैयारी चल रही है। निकायों और पंचायतों की मतदाता सूची तैयार की जा रही है। 11 दिसंबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। निकायों में परिसीमन का कार्य लगभग पूरा हो गया है। वहीं हाईकोर्ट में परिसीमन को लेकर कुछ जिलों के संबंध में लगी सभी याचिकाओं को कोर्ट ने निरस्त कर दिया है। ऐसे में नगरीय निकाय के लिए परिसीमन का रास्ता भी साफ हो गया है। पूरा मामला अब मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद आरक्षण की लाटरी से तय होंगे कि किस वार्ड में किस वर्ग के लिए आरक्षण होगा। फिर निर्वाचन आयोग चुनाव कार्यक्रम जारी करेगा।

चुनाव में देर के कारण

चुनाव को लेकर देर के पीछे कई कारण बताये जा रहे हैं कि एक तो चुनाव आयोग को अपनी तैयारी के लिए समय चाहिए। नगरीय निकाय द्वारा परिसीमन कराए थे, कुछ जिलों ने इस पर आपत्ति करते हुए कोर्ट तक गए थे। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि चुनाव कराना राज्य निर्वाचन आयोग का काम है और सरकार चुनाव आयोग को निर्देश नहीं दे सकती है। निर्वाचन आयोग की तैयारी को देखते हुए लग रहा है कि दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक पूरी तैयारी के बाद कभी भी आचार संहिता लागू हो सकती है।

नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी अंतिम चरण पर : साव

नगरीय निकाय चुनाव पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, इसकी तैयारी सरकार के स्तर पर हो रही है। चुनाव आयोग मतदाता सूची बना रहा है और सरकार के स्तर पर जो तैयारियां होनी चाहिए, वह हो रही हैं। कुछ और कार्रवाई बची है। उसे जल्द-जल्द से पूर्ण कर लिया जाएगा। वहीं आरक्षण मामले पर पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट पर सरकार विचार कर रही है। यह सरकार के पास विचाराधीन है। उम्मीद है कि आने वाले एक सप्ताह में इस मामले में निर्णय हो जाएगा।

नए कानून में ये हो सकता है प्रावधान

हालांकि, इस बार चुनाव समय पर होने की संभावना कम दिख रही है, इसलिए छत्तीसगढ़ सरकार एक नया कानून ला रही है, जिसके तहत अगर चुनाव तय समय पर नहीं हो पाते हैं, तो अगले छह महीने तक प्रशासक ही कामकाज देखेंगे। सूत्रों के मुताबिक पंचायत और निकाय चुनाव एक साथ कराने के अलावा महापौर और अध्यक्ष का चुनाव सीधे जनता द्वारा कराने पर भी विचार चल रहा है।

भूपेश बघेल ने ईवीएम पर फिर उठाए सवाल

महाराष्ट्र लोस में जहां जीते वहां नहीं मिला एक वोट यह कैसे संभव

सीडब्ल्यूसी की बैठक में शामिल होने दिल्ली रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक बार फिर ईवीएम पर सवाल उठाए हैं। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में जिस पोलिंग बूथ से हम जीते थे, आज वहां एक भी वोट नहीं मिल रहा है, ये कैसे संभव है? आदमी जुड़े घटाए और गलत हो जाए तो समझ आता है, लेकिन मशीन का जोड़ना-घटाना ग़लत हो जा रहा है, ये कैसे संभव है? पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सीडब्ल्यूसी की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना होने से पहले संवाददाताओं से चर्चा में कहा, जब हम बैलेट पेपर से चुनाव करवाते थे, तो शाम-रात तक मतदान का प्रतिशत पता चल जाता था, लेकिन आज ईवीएम में दूसरे दिन तक आंकड़े बदलते रहते हैं। इसका अंतर थोड़ा बहुत नहीं लाखों-करोड़ों में होता है।

हिंदुओं पर हमले को लेकर आवाज उठाए भारत सरकार

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, इस हमले पर भाजपा क्यों? भारत सरकार को आवाज उठाना चाहिए। भारत सरकार क्या सोई हुई है। दुनिया में कहीं भी भारतीय हैं, तो उसकी जिम्मेदारी भारत सरकार की है। हर जगह भाजपा राजनीति न करे। घड़ियाली आंसू न बहाए। भारत सरकार को प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से बात कर सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। ये शर्मनाक बात है, उन्हें इस्तीफ़ा देना चाहिए।

चुनाव के नतीजे हमारे मुताबिक नहीं, करेंगे आकलन

कांग्रेस की वर्किंग कमेटी की बैठक को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, आगामी 29 तारीख को कांग्रेस अध्यक्ष ने सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई है। बैठक में कोई ठोस निर्णय होगा, ऐसा मैं मानता हूं। सविधान दिवस के अवसर पर खड़गे के वक्तव्य से लगता है कि हम उस दिशा में आगे बढ़ेंगे। महाराष्ट्र, हरियाणा समेत अन्य राज्यो में हमारे मुताबिक निर्णय नहीं आया है, लेकिन हम इसका आकलन करेंगे।

डामरीकरण के कारण टाटीबंध से कुम्हारी तक लग रहा लंबा जाम

डामरीकरण करने का काम पिछले एक सप्ताह से चल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

टाटीबंध से कुम्हारी के बीच डामरीकरण का काम चल रहा है, जिसके कारण इस मार्ग में जाम की स्थिति निर्मित हो गई है। दुर्ग जाने वाले वाहन मुख्य मार्ग पर सिंगल लेन में चल रहे हैं। इसके साथ वाहनों की लंबी कतार की वजह से वाहन सर्विस रोड होकर जा रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर लोगों को जाम से बचने अमलेश्वर के रास्ते दुर्ग जाने की सलाह दी है।

- रायपुर से दुर्ग जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा

गौरतलब है, टाटीबंध से भिलाई पॉवर हाउस तक सड़क का डामरीकरण करने 40 करोड़ में टेंडर किया गया है। डामरीकरण करने का काम पिछले एक सप्ताह से चल रहा है। डामरीकरण के कारण एक तरफ के मार्ग को बंद कर दिया गया है। इस वजह से वाहन सिंगल लेन से होकर गुजर रहे हैं। सिंगल लेन से वाहनों की आवाजाही होने की वजह से एक तरफ से आने वाले को रोक कर दूसरी तरफ के वाहनों की आवाजाही करने अनुमति दी जा रही है। इस तरह बारी-बारी से वाहन निकल रहे हैं। इससे टाटीबंध से कुम्हारी के बीच जाम की स्थिति निर्मित हो गई है और वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं।

डामरीकरण के बाद मिलेगी राहत

ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक रायपुर से दुर्ग जाने वाले हाईवे पर जब तक डामरीकरण का कार्य पूर्ण नहीं हो जाता, लोगों को परेशानी का सामना करने पड़ सकता है। अनुमान के मुताबिक डामरीकरण का कार्य पूरा होने में 15 दिन का समय लग सकता है। सबसे ज्यादा जाम की स्थिति सुबह 10 से 11 तथा शाम को पांच से सात बजे के बीच निर्मित हो रही है।

आजीविका मिशन में 3 माह की कार्यवृद्धि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने केन्द्र प्रवर्तित दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में तीन महीनों की कार्यवृद्धि की है। इससे मिशन की गतिविधियों को दिसम्बर तक संचालित किया जा सकेगा। नगरीय प्रशासन विभाग ने इस संबंध में राज्य शहरी विकास अभिकरण को परिपत्र जारी किया है। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन को तीन महीनों अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक की कार्यवृद्धि प्रदान किए जाने पर राज्य मिशन प्रबंधन इकाई में कार्यरत राज्य मिशन प्रबंधक तथा सिटी मिशन प्रबंधन इकाईयों में कार्यरत सिटी मिशन प्रबंधकों, सामुदायिक संगठकों और सीआरपी महिलाओं ने उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव से आज रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में मुलाकात कर आभार प्रकट किया है।

- उप मुख्यमंत्री साव से मिलकर कर्मचारियों ने जताया आभार

170 निकायों में पड़ेगा प्रभाव

राज्य शासन द्वारा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में कार्यवृद्धि से प्रदेश के 170 नगरीय निकायों में कार्यरत सिटी मिशन प्रबंधकों, सामुदायिक संगठकों, स्वसहायता समूहों, सीआरपी की महिलाओं एवं राज्य कार्यालय में कार्यरत राज्य मिशन प्रबंधकों को दिसम्बर तक नियमित रूप से मानदेय का भुगतान किया जा सकेगा। इससे मिशन की गतिविधियों के उत्साहपूर्वक क्रियान्वयन के साथ ही शहरी गरीबों को योजना का लाभ मिलता रहेगा।

आयुर्वेद केवल चिकित्सा नहीं संपूर्ण जीवन की पद्धति : जायसवाल

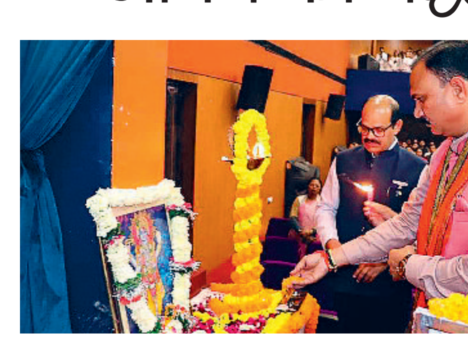

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन की पद्धति है। इसमें शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के सभी उपाय मौजूद है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने देश का प्रकृति परीक्षण अभियान की राज्य में शुरुआत करने हुए यह संबोधन दिया। उन्होंने अभियान के दौरान सबसे अधिक प्रकृति परीक्षण करने वाले छात्र को सम्मानित करने की घोषणा भी की। संविधान दिवस यानी 26 दिसंबर से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती की यानी 25 दिसंबर तक इस अभियान को पूर्ण किया जाएगा। मंगलवार को पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करने हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आयुर्वेद में बताए गए तीन प्रकृति वात, पित्त और कफ के संतुलन से ही व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है। प्रधानमंत्री मंत्री नरेन्द्र मोदी ने आयुर्वेद को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए ही इस अभियान का शुभारंभ किया है जिसका उद्देश्य ' हर घर आयुर्वेद ' है। आयुष विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. सुनील दास ने बताया कि राज्य में प्रकृति परीक्षण अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक जिले में जिला समन्वयक और सह - समन्वयकों की नियुक्ति की गई है जो इस अभियान का प्रतिदिन समीक्षा करेंगे।

माहभर में 15 लाख लोगों की जांच करेंगे आयुर्वेद चिकित्सक, प्रकृति परीक्षण एप से लैस होगा इनका मोबाइल

रायपुर। मौसमी बदलाव के दौरान लोगों को स्वस्थ रखने के लिए आयुर्वेद चिकित्सक और विद्यार्थी करीब 15 लाख लोगों की जांच करेंगे। आधे घंटे में विभिन्न सवालों के माध्मय से उनकी प्रकृति (वात-पित्त-कफ) की जानकारी ली जाएगी और बीमार होने से बचाने के लिए प्रकृति परीक्षण एप से उनके मोबाइल को लैस किया जाएगा।
राज्य में लोगों की प्रकृति की जांच के लिए वृहद कार्ययोजना बनाई गई है। प्रकृति परीक्षण के लिए 18 साल से अधिक आयु वाले लोगों को इस जांच के दायरे में लाया गया है। लोगों को इसकी जानकारी देने और उनके स्वास्थ्य के स्वभाव का पता लगाने के लिए बनाई गई टीम विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाएगी। इसके अलावा आयुर्वेद चिकित्सालयों में आने वाले मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें अभियान से जोड़ा जाएगा। इस अभियान को पूरा करने के लिए 33 नोडल, 214 आयुर्वेद शिक्षक, 35 चिकित्सा अधिकारी, 118 पीजी, 1418 यूजी के विद्यार्थी, 7 फिजिशियन, 111 इंटर्नशिप सहित 27 सौ लोगों की टीम बनाई गई है।

गृहमंत्री ने कहा- छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष की बढ़ाई जाएगी सुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज को जान से मारने की धमकियां मिलने पर अब उनकी सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा ने आज डॉ. सलीम राज को मिल रही धमकियों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष को धमकी मिली है, क्योंकि उन्होंने स्वच्छता और शुद्धता बनाए रखने के लिए ऐसे मदरसों में जहां धार्मिक की जगह राजनीतिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं, उन्हें रोकने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा, उनकी सुरक्षा और बढ़ाई जाएगी। स्पष्टता के साथ वह काम करें, सरकार उनके साथ है।

हिंदुओं को मारा जा रहा है बहुत निंदनीय घटना

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के मामले में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा, बांग्लादेश में चिन्मय प्रभु और अन्य लोगों को जेल में डाला जा रहा है। हिंदुओं की संख्या अनवरत कम हुई है। बांग्लादेश में जो हिंदुओं पर कार्रवाई हो रही है, उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आखिर क्यों एक शब्द नहीं कहा। हिंदुओं को मारा जा रहा है, बहुत निंदनीय घटना है।

साढ़े 7 लाख लोग दे रहे आरक्षक परीक्षा

आरक्षक भर्ती पर हाईकोर्ट के स्टे लगाए जाने पर गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा, साढ़े 7 लाख लोग परीक्षा दे रहे हैं। एक मसले के कारण स्टे लगा है। हाईकोर्ट से आग्रह करने कहा है कि उन्हें भी अनुमति दे दी जाए। साथ ही परीक्षा प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए। जल्द इस विषय पर हाईकोर्ट से निर्देश प्राप्त कर आगे बढ़ेंगे।

नर टाइगर को ऐसी जगह छोड़ा गया जहां पहले से मादा बाघ विचरण कर रही

टाइगर रिजर्व बनने के बाद घासीदास में प्रवासी बाघ के शुभ कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य के इंद्रावती के साथ अचानकमार तथा नए बने गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व में अन्य वर्षों की तुलना में पिछले दो वर्षों से पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश तथा महाराष्ट्र टाइगर रिजर्व से बाघों की आवाजाही बढ़ गई है। पड़ोसी राज्यों के बाघों की आवाजाही बढ़ने से वन अमला राज्य में बाघों का कुनबा बढ़ने को लेकर आश्वस्त है। बारनवापारा अभयारण्य से रेस्क्यू कर जिस बाघ को गुरु घासीदास नेशनल पार्क में छोड़े जाने को लेकर कई वन अफसरों ने अपनी असहमति जताई, अफसरों के विरोध के बावजूद बाघ को गुरु घासीदास में छोड़ा गया है।
वन अफसरों के मुताबिक बारनवापारा में रेस्क्यू किए गए बाघ को मंगलवार को ही गुरु घासीदास नेशनल पार्क के लिए ले जाया गया। बाघ को गुरु घासीदास ले जाने वाइल्ड लाइफ सीसीएफ सतोविशा समाजदार स्वयं रवाना हुईं। अफसर के अलावा बाघ के साथ डॉक्टरों की टीम रवाना की गई थी। बाघ के गुरु घासीदास पहुंचने के बाद स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके बाद बाघ को जंगल में ले जाकर छोड़ा गया।

एटीआर में छोड़ने का निर्णय: गौरतलब है कि फरवरी में बारनवापारा में आए प्रवासी बाघ के भविष्य को लेकर वन अफसरों ने काफी विचार विमर्श किया। वन अफसरों की 18 अप्रैल को एक बैठक हुई थी, जिसमें निर्णय लिया गया था कि बारनवापारा में बाघिन की व्यवस्था नहीं होने पर बाघ को अचानकमार में छोड़ा जाएगा। बावजूद इसके आनन-फानन में बाघ को गुरु घासीदास में छोड़े जाने का निर्णय लिया गया।

एटीआर में 30 से ज्यादा की कैपिसिटी

वन अफसरों के मुताबिक अचानकमार टाइगर रिजर्व में क्षेत्रफल के हिसाब से 30 से ज्यादा बाघ रखने की कैपिसिटी है। इसके साथ ही टाइगर के लिए पर्याप्त प्रे बेस की व्यवस्था है। जानकार वर्तमान में गुरु घासीदास को बाघों के लिए असुरक्षित जगह मान रहे हैं। जानकार गुरु घासीदास को बाघ प्रबंधन के हिसाब से कमजोर आंक रहे हैं। पिछले दो साल में क्षेत्र में दो बाघ के शिकार की घटना सामने आने की वजह से जानकार गुरु घासीदास को बाघों के लिए असुरक्षित मान रहे हैं।
मध्यप्रदेश से लेकर महाराष्ट्र के बाघों का बना कॉरिडोर : राज्य के एटीआर, गुरुघासीदास तथा इंद्रावती टाइगर रिजर्व में पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश तथा महाराष्ट्र स्थित टाइगर रिजर्व से लगातार बाघों की आवाजाही हो रही है। इसकी वजह मध्यप्रदेश तथा महाराष्ट्र में बाघों की संख्या में बढ़ोतरी होना है। इसके चलते नर बाघ नए टेरिटरी की तलाश में राज्य के टाइगर रिजर्व में पहुंचते हैं। इसके साथ ही मादा बाघ सुरक्षित प्रजनन करने यहां के टाइगर रिजर्व में पहुंचते हैं।

धूल वाले 4 इलाकों में वायु प्रदूषण कम करने होगा पानी का छिड़काव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

शहर और उससे लगे 4 इलाकों में वायु प्रदूषण कम करने नगर निगम अब पानी का छिड़काव कराएगा। भाठागांव स्थित अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल मार्ग, जीई रोड स्थित एम्स हास्पिटल के पास वाला एरिया, औद्योगिक क्षेत्र भनपुरी और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के समीप वाला मार्ग इसमें शामिल है। निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने जल विभाग के अधिकारियों को इसके लिए रूट प्लान तैयार कर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से उपचारित जल से धुंए का गुबार कम कराने निर्देश दिए हैं। ये ऐसे इलाके हैं, जहां धूल के गुबार से आए दिन लोग परेशान रहते हैं, वहीं वायु की गुणवत्ता भी इन इलाकों में बेहद खराब आंकी गई है। सड़कों पर उड़ती धूल से वायु प्रदूषण के खतरे ने जहां आम आदमी की नींद उड़ा रखी है, वहीं केंद्र से शहर की वायु गुणवत्ता को सुधारने पंद्रहवें वित्त आयोग के माध्यम से अलग से राशि नगर निगम को दी गई है। सूत्रों के मुताबिक शहर से लगे औद्योगिक क्षेत्र सिलतरा बेल्ट में प्रदूषण की भयावहता को देखते हुए छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के साथ मिलकर रायपुर नगर निगम इस क्षेत्र में स्प्रिंकलर से धूल को दबाने पानी की फुहार छोड़ेगा। यही नहीं, सिलतरा क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रीन स्पेस का विस्तार करने बड़े पैमाने में पौधारोपण की योजना बनाई गई है। गांधी सदन में बुधवार को नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा की मौजूदगी में एयर क्वालिटी मानिटरिंग सेल की बैठक हुई। इसमें शहर की वायु गुणवत्ता को सुधारने के लिए अलग-अलग विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में यह तय हुआ कि शहर में खुले में कचरा जलाने वालों पर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी कार्रवाई करेंगे।

नगर निगम के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से उपचारित पानी का होगा उपयोग

15 साल पुरानी गाड़ियों को स्क्रैप करवाने पर जोर

शहर की सड़कों के सुधार कार्य करने और परिवहन विभाग के अधिकारियों को प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों पर लगातार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गये हैं। साथ ही 15 साल पुरानी हो चुकी गाड़ियों को स्क्रैप करवाने के लिए प्रेरित करने जोर दिया गया। जानकारों का कहना है कि शहर में पुरानी गाड़ियों से भी प्रदूषण ज्यादा फैलता है। इसीलिए पुराने वाहनों को स्क्रैप करवाने लोगों को जागरूक किया जाएगा।

दोपहिया, तिपहिया ई व्हीकल के लिए खुलेंगे चार्जिंग पाइंट

नगर निगम आने वाले दिनों में पॉयलट प्रोजेक्ट के तहत शहर में 3 लोकेशन पर ई व्हीकल चार्जिंग के लिए पाइंट की व्यवस्था कराएगा। खासकर के दोपहिया और तिपहिया वाहनों की चार्जिंग की सुविधा इससे आम जनता को मिलेगी।

नॉमिनी बगैर बांट दिए स्थाई पट्टे, मुखिया की मृत्यु के बाद नाम चढ़ाने अब भटक रहे परिवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

पूर्व कांग्रेस शासन काल में नजूल की जमीन पर लंबे समय से रहने वाले परिवारों को स्थाई पट्टा बांटे गए थे। इन पट्टों को जिनके नाम पर बांटे गए हैं, उनमें ऐसे कई परिवार हैं, जिनके पट्टे में नॉमिनी का उल्लेख ही नहीं है, जबकि सर्वे के दौरान प्रत्येक व्यक्ति से उसकी जमीन, कब से निवास कर रहा है, पट्टा किसके नाम पर बनाना चाहता है और उसका नॉमिनी किसे बनाएंगे, इन सभी चीजों की बारीकी से पूछताछ करने के बाद ही लोगों को पट्टे बांटे गए थे, लेकिन इसके बाद भी जिन्हें पट्टे बांटे गए हैं, उनमें ऐसे सैकड़ों लोग हैं, जिनके पट्टे में नॉमिनी के नाम का उल्लेख ही नहीं है।

इधर नॉमिनी के नाम का उल्लेख नहीं होने के कारण पट्टेधारी की मृत्यु के बाद पट्टे में परिवार के अन्य सदस्य का नाम भी चढ़ नहीं पा रहा है। नाम चढ़ाने के लिए लोगों को अब नगर निगम और राजस्व विभाग कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत बांटे गए थे पट्टे

कांग्रेस शासनकाल में शहरी क्षेत्र में पट्टा देने के लिए रायपुर नगर निगम ने अप्रैल 2022 में सर्वे की शुरुआत की थी। राज्य सरकार की ओर से जारी राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत निगम क्षेत्र में 600 वर्गफीट तक की जमीन पर लंबे समय से रहने वाले लोगों को 30 साल के लिए स्थाई पट्टा दिया गया था। निगम क्षेत्र में ये पट्टे हजारों में बांटे गए थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना का भी नहीं मिल पा रहा लाभ

स्थाई पट्टा एक व्यक्ति के नाम पर है। इसमें पुरुष और महिला दोनों में से एक व्यक्ति के नाम का उल्लेख है, जबकि सर्वे के दौरान लोगों से उनकी मृत्यु होने पर पट्टा किसके नाम पर रहेगा, इसके लिए नॉमिनी के नाम की भी जानकारी ली गई थी, लेकिन जब स्थाई पट्टे बांटे गए, तो उनमें नॉमिनी के नाम का उल्लेख करना ही विभाग भूल गया। यही कारण है कि अब जिन पट्टेधारी की मृत्यु हो चुकी है, उनके परिवार के सदस्यों को प्रधानमंत्री आवास योजना का भी लाभ नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि इस योजना के पात्र के लिए सबसे पहले जीवित व्यक्ति के नाम पर पट्टा होना चाहिए। ऐसे में लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का भी लाभ नहीं मिल पा रहा है।

केस 1

फुंडहर निवासी नीलाभ विश्वकर्मा के नाम पर पट्टा दिया गया था। इस पट्टे में नॉमिनी के नाम का उल्लेख नहीं है। नीलाभ की मृत्यु हो चुकी है। नीलाभ का परिवार कच्चे मकान में निवास कर रहा है, इसलिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बनाना चाहते हैं, लेकिन पट्टे में परिवार के दूसरे सदस्य का नाम नहीं चढ़ पा रहा है, जिसके कारण प्रधानमंत्री आवास योजना का भी लाभ उन्हें नहीं मिल पा रहा है।

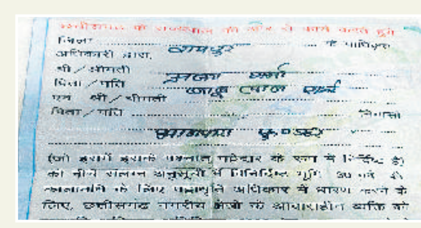

30 साल के बाद करना है नवीनीकरण

लंबे समय से झुग्गी झोपड़ी और कच्चे मकान में रहने वाले लोगों को 30 साल के लिए यह स्थाई पट्टा दिया गया है। इस तरह 30 साल की समय अवधि पूरी होने के बाद ही पट्टा हितग्राही को फिर से अपना पट्टा नवीनीकरण कराना है।

केस 2

फुंडहर निवासी टीकम साहू को भी स्थाई पट्टा मिला था, लेकिन अब उसकी भी मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद उसके पट्टे पर परिवार के दूसरे सदस्य का नाम चढ़ नहीं पा रहा है। उसके परिवार के लोगों ने जोन-10 कार्यालय में भी आवेदन किया, लेकिन उन्हें वहां से निराशा हाथ लगी है।

केस 3

दुकालू निषाद निवासी फुंडहर को भी कांग्रेस शासनकाल में ही स्थाई पट्टा मिला था। यह पट्टा उसके नाम पर था। उसकी भी मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद उसके परिवार के सदस्य पट्टा में नाम बदलवाने के लिए निगम और राजस्व कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। इस परिवार को भी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

केस 4

तुकाराम साहू ने बताया कि फुंडहर क्षेत्र में करीब 50 लोगों को कांग्रेस शासनकाल में स्थाई पट्टा वितरण किया गया है, लेकिन इन पट्टों में नॉमिनी का उल्लेख नहीं है। जिन लोगों के नाम पर पट्टे दिए गए हैं, उनमें कई लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ऐसे में उनके परिवार के सदस्य अब पट्टे में परिवार के दूसरे सदस्य का नाम दर्ज कराना चाहते हैं।

चेक कराता हूं ऐसा है तो निराकृत करेंगे समस्या

निगम क्षेत्र में पूर्व कांग्रेस शासन काल में बांटे गए स्थाई पट्टों में अगर किसी पट्टेधारी की मृत्यु हो चुकी है, तो उस परिवार का दूसरा सदस्य अपना नाम चढ़ाने आवेदन कर सकता है। अगर ऐसे मामले हैं, तो चेक कराता हूं। समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

- अबिनाश मिश्रा, कमिश्नर, नगर निगम रायपुर

इंडोर स्टेडियम से लेकर जोन कार्यालय में बांटे गए थे पट्टे

निगम ने इंडोर स्टेडियम से लेकर जोन कार्यालयों में स्थाई पट्टा का वितरण किया था। इंडोर स्टेडियम में एक कार्यक्रम आयोजित करके करीब पांच हजार लोगों को स्थाई पट्टे बांटे गए थे। इस कार्यक्रम में महापौर एजाज ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे, नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे, पार्षद मनोज वर्मा, पार्षद मृत्युंजय दुबे समेत निगम के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

डॉ. ओमप्रकाश बने प्रदेश देवांगन समाज के अध्यक्ष

रायपुर। सांईस कॉलेज परिसर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडोटेरियम में बुधवार को प्रदेश देवांगन समाज छग का आमसभा एवं सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में समाज के संरक्षक, जिलाध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष सहित पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित समाज के सभी पदाधिकारियों ने कहा कि, देवांगन समाज के संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए एक शसक्त एवं सक्षम नेतृत्व की आवश्यकता है। इसके बाद सभी संरक्षकों और जिलाध्यक्षों से आम राय के बाद प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से डॉ. ओमप्रकाश देवांगन का नाम प्रस्तावित किया गया, जिसे आमसभा समर्थन एवं अनुमोदन किया गया। इस प्रकार डॉ. ओमप्रकाश देवांगन निर्विरोध अध्यक्ष नियुक्त किए गए। इसी दौरान अध्यक्ष डॉ. देवांगन ने कहा कि, सभी से सलाह मशविरा के बाद अपनी कार्यकारिणी की घोषणा शीघ्र ही करेगें।

सम्मेलन में ये रहे उपस्थित : अखिल भारतीय देवांगन कोष्टा समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेश देवांगन ने बताया कि इस आमसभा में कुंजलाल देवांगन, महेश देवांगन, रामगोपाल देवांगन, धनेश देवांगन, अमृत देवांगन, लक्ष्मी नारायण देवांगन, पुरानिक देवांगन, विनय देवांगन, चिरजीव देवांगन, नरेंद्र देवांगन, मनोज देवांगन, मूलचंद देवांगन, जेठू राम देवांगन, विनय देवांगन, जितेंद्र देवांगन, बीएल तरार, आनंद देवांगन, अमरनाथ देवांगन, विमल देवांगन, पवन देवांगन, सुरेश देवांगन, विनोद देवांगन, चन्द्रहास देवांगन, परस देवांगन, हरीश देवांगन, वेद लाल देवांगन, होरीलाल देवांगन, गेंदलाल देवांगन, डोमेश देवांगन, गोपी देवांगन, आनंद देवांगन, मोहनी देवांगन, राकेश देवांगन, झब्बूलाल देवांगन, दयावान देवांगन, गजेंद्र देवांगन, नरेंद्र चोचाराम देवांगन इत्यादि प्रमुख है।

खबर संक्षेप

मसीहीजनों की चुनाव ड्यूटी नहीं लगाने की मांग

रायपुर। 'क्रिसमस' के अवसर पर मसीही समाज ने एक जनवरी तक मसीही अधिकारियों व कर्मचारियों को चुनाव प्रक्रिया, प्रशिक्षण और चुनाव ड्यूटी नहीं लगाने की मांग राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह से की है। साथ ही पत्र की प्रति मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम एवं मंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा सचिव नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को भेजी गई है। समाजसेवी एवं सेंट पॉल्स कैथेड्रल पास्ट्रेट कोर्ट के अध्यक्ष जॉन राजेश पॉल, सचिव पर्सिस सामुएल, सदस्य एडवोकेट सरिता सिंह, मुकेश पॉल व दीपक दास ने श्री सिंह से निवेदन किया है कि छत्तीसगढ़ के साथ ही संपूर्ण विश्व प्रभु यीशु मसीह के जन्मोत्सव 25 दिसंबर को मनाया जाएगा। पहली जनवरी नववर्ष तक यह पर्व मनाया जाएगा। मसीहीजनों के लिए आत्मिक और आध्यात्मिक रूप से दिसंबर का महीना बेहद महत्वपूर्ण है। महीनेभर विभिन्न पवित्र संस्कारों के साथ आराधनाएं होंगी। जैसा कि सूचनाएं मिल रही हैं कि दिसंबर मध्य से लेकर जनवरी में नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संभावित हैं।

उत्साह पूर्वक मनाई जा रही गीता जयंती

रायपुर। मान्यता के अनुसार मोक्षदा एकादशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था और तभी इस दिवस को गीता जयंती के रूप में मनाया जाता है। राजधानी में गीता परिवार रायपुर शाखा द्वारा 26 नवंबर उत्पन्ना एकादशी से 11 दिसंबर मोक्षदा एकादशी तक पंद्रह दिनी उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवधि के दौरान अलग-अलग दिनों में अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर गीता पारायण आरती सहित अन्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।11 दिसंबर अंतिम दिन सदर बाजार गोपाल मंदिर में दोपहर गीता परिवार द्वारा 18 अध्याय का पारायण आरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा।

मेहर समाज की बैठक 1 दिसंबर को

रायपुर। केंद्रीय सामाजिक भवन महादेव घाट रायपुरा में एक दिसंबर को छत्तीसगढ़ मेहर समाज की बैठक होगी। यह जानकारी समाज के महासचिव राकेश मेहर ने देते हुए बताया कि बैठक में प्रदेश स्तरीय परिचय सम्मेलन, स्नेह सम्मेलन पर चर्चा की जाएगी। यह बैठक दोपहर 12 बजे आरंभ होगी। बैठक में समाज के लोग भारी संख्या में शामिल होंगे।

गायत्री को पीएचडी

रायपुर। पं. रविशंकर विश्वविद्यालय ने विवेकानंद महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक गायत्री को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उनके शोध का विषय वुमन एम्पॉवरमेंट एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट : ए स्टडी ऑफ सेल्फ हेल्प ग्रुप्स इन छत्तीसगढ़ (ए स्पेशल रेफरेंस टू रायपुर डिस्ट्रिक) था। उन्होंने अपना शोधकार्य दुर्गा महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं एनसीसी अधिकारी डॉ. विजय कुमार चौबे के निर्देशन में पूर्ण किया।

बढ़ती ठंड पर चक्रवाती तूफान 'फेंगल' का लगेगा ब्रेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ दिसंबर की शुरुआत कम ठंड से होने के आसार

राज्य में बढ़ रही ठंड पर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती तूफान फेंगल का ब्रेक लगने की संभावना है। इसके प्रभाव से बस्तर और मध्य इलाके में दिन में हल्के बादल छाए हुए हैं और दो दिन में उत्तरी क्षेत्र के भी प्रभावित होने की संभावना है। इस तूफान के बाद आने वाले पश्चिमी विक्षोभ की वजह से दिसंबर की शुरुआत कम ठंड के साथ होने की गुंजाइश है।

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार नवंबर में ठंड का यह चक्र काफी दिनों का रहा, जिस पर अब ब्रेक लगने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बंगाल की खड़ी के ऊपर बना गहरा अवदाब प्रबल होकर चक्रवाती तूफान फेंगल के रूप में तब्दील होगा। इसके अगले दो दिन में श्रीलंका से होते हुए तमिलनाडु तट तक पहुंचने के आसार हैं। इससे मिलने वाली नमी का प्रभाव दिन में हल्के बादल के रूप में रायपुर, जगदलपुर सहित दोनों क्षेत्रों में नजर आ रहा है।

रात के तापमान में किसी तरह की गिरावट भी नहीं हुई है और अगले चौबीस घंटे में भी इसी तरह का मौसम रहने की संभावना है। शुक्रवार से राज्य के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में वृद्धि होने की संभावना बनी हुई है। इस तूफान का असर तीन चार दिनों तक रहने की संभावना है। इसके बाद आने वाले एक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से दिसंबर की शुरुआत भी कम ठंड के साथ होने के आसार हैं।

प्रमुख शहरों का तापमान

शहर	दिन का पारा	रात का तापमान
रायपुर	29.2	14.5
बिलासपुर	27.6	13.0
पेंड्रा	25.2	9.2
अंबिकापुर	26.2	8.2
जगदलपुर	25.9	11.0
दुर्ग	30.8	11.4

सड़क किनारे खड़े वाहनों और अतिक्रमण पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ मेकाहारा चौक से स्टेशन तक कार्रवाई के लिए निकली टीम

शहर की सड़कों पर ट्रैफिक बाधित करने वाले सड़क किनारे खड़े वाहनों और ठेले-गुमटियों पर अब कार्रवाई होगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन, नगर निगम और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई है। इस टीम ने बुधवार को मेकाहारा चौक से रेलवे स्टेशन तक अभियान चलाकर दो आटो को जब्त किया है। वहीं नगर निगम की टीम ने 4 ठेलों को आंबेडकर चौक के पास से जब्त किया है। साथ ही अन्य वाहन चालकों को समझाइश भी दी गई।

दरअसल, सड़कों के किनारे वाहन खड़े होने और अतिक्रमण होने की वजह से सड़कें सकरी हो रही हैं।

इसकी वजह से राजधानी के कुछ मार्गों पर सुबह और शाम के समय में यातायात बाधित होने से लोग परेशान हैं। जन शिकायत के बाद सुगम आवागमन उपलब्ध कराने जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही जहां बड़े-बड़े बेसमेंट में पार्किंग पर अवैध तरीके से गोदाम बनाया गया है, उन पर भी कार्रवाई करने विभागीय अफसरों को हिदायत दी गई है।

एसएसपी संतोष सिंह और नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने सड़कों पर अवैध अतिक्रमण और यातायात बाधित करने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

पेज 13 के शेष ..

10 साल में छह ....

केवल दो जगहों पर आटो रिक्शा स्टैंड बनाए गए हैं। रेलवे स्टेशन और डीकेएस चौक पर आटो स्टैंड है। वह भी केवल नाम का रह गया, सुविधा कुछ भी नहीं है। एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर आटो रिक्शा पार्क करने की जगह है, पर व्यवस्था नहीं है। इससे न केवल आम आदमी, बल्कि आटो चालकों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। शासन-प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा।

10 साल में 6...

संतोषीनगर चौक, बोरियाकला, सेजबहार कालोनी क्षेत्र शामिल है। बस स्टैंड से टाटीबंध चौक तक आधा दर्जन आटो स्टैंड की जरूरत महसूस की गई। इसी तरह रायपुरा मार्ग पर दो जगह इसके लिए चिन्हांकित किए गये। अभी आटो स्टैंड की कमी के कारण चालक अपनी सुविधा के हिसाब से सड़क किनारे गाड़ी पार्क करते हैं।

शासकीय भूमि पर ....

लगे हैं। सरोना क्षेत्र में करीब 6 हजार वर्गफीट शासकीय भूमि पर ऐसे ही एक भू माफिया ने समिति के माध्यम से उस पर कब्जा कर रखा था। जोन-8 कमिश्नर एके हालदार ने बताया कि समिति के अध्यक्ष समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कराया जाएगा। समिति द्वारा शासकीय जमीन पर बाउंड्रीवाल बनाकर वहां टायलेट का निर्माण भी किया गया था। इसकी जानकारी होने पर निगम की टीम ने क्षेत्र की तहसीलदार की मौजूदगी में 22 नवंबर को कार्रवाई करते हुए बाउंड्रीवाल और टायलेट को तोड़कर जमीन को कब्जा से मुक्त कराया था। वहीं मामले में समिति के लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कराने के लिए तहसील कार्यालय से जमीन से संबंधित दस्तावेज मांगे गए थे, क्योंकि शासकीय जमीन से लगी समिति की जमीन भी थी। कमिश्नर ने बताया कि सारे दस्तावेज तहसील कार्यालय से मिल चुके हैं। इन दस्तावेजों से स्पष्ट है कि समिति ने जानते हुए शासकीय जमीन पर कब्जा किया था और नोटिस जारी करने के बाद भी कब्जा को हटाया नहीं। उन्होंने बताया कि निगम अब तहसील कार्यालय से मिले दस्तावेजों के आधार पर समिति के लोगों के विरुद्ध थाने में एफआईआर दर्ज कराएगा।

अवैध कब्जा को ....

निवासी पार्षद कामरान अंसारी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। योगेश ने पुलिस को बताया है कि उसने वर्ष 2012 में शंकर नगर, वीआईपी स्टेट स्थित अपने स्वामित्व वाली 97 सौ वर्गफीट भूमि में से दो हजार वर्गफीट जमीन 45 लाख रुपए में बिक्री करने दिनेश के साथ सौदा कर जमीन रजिस्ट्री की। इसके बाद दिनेश ने उस भूमि पर से हाईटेंशन वायर गुजरने का हवाला देकर योगेश से खरीदी गई जमीन लौटा दी। **जमीन लौटाने के बाद कब्जा :** योगेश ने पुलिस को बताया है कि जमीन लौटाने के बाद उसने संबंधित जगह जाकर अपनी जमीन को देखा, तो पूरे 97 सौ वर्गफीट जमीन को बाउंड्री वाल से घेरा जा चुका था। पता करने पर योगेश को जानकारी मिली कि दिनेश ने वह जमीन फर्जी तरीके से कामरान को बेच दी है।

गर्ल फ्रेंड को गाली देने से ....

के पास झाड़ियों में मंगलवार देर शाम मिली थी। पुलिस के अनुसार घटना के एक दिन पूर्व रमेश का किसी बात को लेकर किशन की गर्ल फ्रेंड से विवाद हो गया था। इस पर किशन ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रमेश के सिर पर डंडे से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया है। **लाश ठिकाने लगाने खींचकर झाड़ियों में ले गए :** पुलिस के अनुसार हत्या करने के बाद लाश ठिकाने लगाने किशन तथा उसके साथियों ने लाश को करीब 10 मीटर खींचकर झाड़ियों में ले जाकर छिपा दिया। राह चलती महिलाओं ने लाश देख घटना की जानकारी गांव के सरपंच को दी। पुलिस ने मृतक का मोबाइल नाबालिग के कब्जे से बरामद किया है। किशन हाईवा में हेल्परी का काम करता था।

बातचीत करने के ....

आकर किशन ने रमेश के सिर पर अपने पास रखे डंडे से सिर पर ताबड़तोड़ वार किया जिससे उसकी मौत हो गई।

एमआईसी सदस्य ने आयुष्मान कार्ड बनवाने नागरिकों का किया सहयोग

रायपुर। नगर निगम के अलग-अलग जोनों में आयुष्मान कार्ड बनवाने से छूटे नागरिकों को सुविधा देने शिविर लगाया जा रहा है। इसी कड़ी में पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड के नागरिकों के लिए दुर्गा मैदान स्थित सेवा सदन में 3 दिवसीय आयुष्मान कार्ड शिविर आयोजित है। वार्ड पार्षद एवं एमआईसी सदस्य आकाश तिवारी ने शिविर स्थल पहुंचकर वार्ड वासियों को आयुष्मान कार्ड बनवाने में सहयोग किया। नगर निगम जोन 4 क्षेत्र स्थित सेवा सदन दुर्गा मैदान में लगाए गए आयुष्मान कार्ड शिविर स्थल पर वार्डवासी अपने बच्चों को लेकर आयुष्मान कार्ड बनवाने पहुंचे। नागरिकों को कार्ड बनवाने के दौरान किसी प्रकार की दिक्कत ना हो इसके लिए वार्ड पार्षद व्यवस्था की मानिटरिंग भी कर रहे हैं।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार संदीप कुमार गुप्ता पिता श्री रामजी प्रसाद गुप्ता निवासी-टिकरापारा कांकेर उत्तर बस्तर कांकेर छ.ग. ने प्रभुलाल साहू पिता श्री बुधारी साहू निवासी ग्राम केन्द्री तहसील अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. से उसके स्वामित्व की ग्राम केन्द्री प.ह.नं.-16 रा.नि.म. केन्द्री तहसील अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. में स्थित खसरा नं. 357/2 रकबा 0.174 हे. को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर लिया है तथा विक्रय विलेख पंजीयन कराना शेष है।

अतः उक्त भूमि के संव्यवहार बाबत किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, बैंक या किसी भी अन्य को कोई उजर, दावा हो तो मय सुसंगत दस्तावेज सहित 07 दिवस के भीतर मेरे नीचे लिखे पते पर लिखित में आपत्ति पेश करे। मियाद बाद मेरा पक्षकार उक्त भूमि का विक्रय विलेख पंजीयन अपने पक्ष में करा लेगा। उसके बाद की गई कोई भी आपत्ति या दावा अवैध एवं शून्य माना जावेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा। सो सूचना ताकीद जाने।

स्थान अभनपुर
दिनांक- 26/11/2024

सोहन सिन्हा, अधिवक्ता
कार्यालय तहसील कार्यालय परिसर
अभनपुर जिला रायपुर (छ.ग.)
मो. नं. 7224998722

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर- 06 (खमतराई)

आम सूचना

जारी दिनांक 27.11.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री बी.के. बेनर्जी पिता स्व. एस.के. बेनर्जी निवासी R.V.H. कालोनी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम खमतराई पटवारी हल्का नंबर 38 राजस्व निरीक्षक मंडल-06 रायपुर में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 233/96 रकबा 0.0100 हे. का सीमांकन न्यायालय अति. तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 04.10.2024 के परिपालन में दिनांक 16.12.2024 को समय 1:00 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/ आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 38 के खमतराई में स्थित कार्यालय में मय दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/ आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. 06 खमतराई
तह. व जिला रायपुर

आम सूचना

केडिया बिजनेस पार्क स्थित भूखण्ड के संबंध में।

सर्व साधारण को इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता- प्रकाश केडिया पिता स्व.श्री अबीर चंद केडिया निवासी, तेलीबांधा, रायपुर के स्वामित्व व आधिपत्य का भूखण्ड जो ग्राम टाटीबंध, प.ह.न. 54, रा.नि.म. रायपुर, वार्ड क्रमांक- 1, वीरसावरकर वार्ड, तहसील व जिला रायपुर में केडिया बिजनेस पार्क के अतंर्गत स्थित भूखण्ड क्रमांक 15-सी, 15-डी, 15-ई, 15-एफ, 15-जी, 15-एच, 16-ए, 16-बी, 16-सी, 16-डी, 16-ई, 16-एफ, क्रमश रकबा 7017 व. फी., 7017 व.फी., 4334 व. फी., 3852 व.फी., 3862 व. फी., 4127 व.फी., 3000 व.फी., 4097 व.फी., 4097 व.फी., 4097 व.फी., 4097 व.फी., 3000 व. फी. कुल भूखण्ड 12 कुल रकबा 52597 व.फी. उक्त भूखण्ड ख.न. 47/1, 49/1,3,5,6 के अंतर्गत आता है, को खरीदने का करार कर लिया है। अब तय शर्तों के अनुसार उक्त संपत्ति के विक्रय पत्र का निष्पादन/ पंजीयन कराया जाना शेष है।

अतः उक्त संपत्ति के स्वत्व, आधिपत्य एवं अंतरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति, सरकारी व गैर सरकारी संस्था, साहूकार, बैंक, निगम आदि किसी को भी यदि कोई आपत्ति, उजर, दावा आदि हो तो इस सूचना प्रकाशन से 15 दिनो के अंदर मय सुसंगत दस्तावेजो के नीचे लिखे पते पर मेरे समक्ष लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित अवधि के पश्चात मेरा पक्षकार उक्त संपत्ति के विक्रय पत्र का निष्पादन पंजीयन अपने पक्ष मे करवा लेगा। निर्धारित अवधि के पश्चात की गयी आपत्ति शून्य व नाजायज समझी जावेगी एवं मेरे पक्षकार पर बधंनकारी नही होगी। अतः सूचना जाने

रायपुर छ.ग. दिनांक....

भवदीय
निखलेश राठौर अधिवक्ता
म.न. डी-40 समता कालोनी
मोबा. न. 98271-75722

Health Town

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(22 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
क्षार-सूत्र चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
पाइल्स, फिशर, फिस्टूला विशेषज्ञ
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।

HCC IS NOW हिअरज़ॅप™
आज ही मुफ्त श्रवण परीक्षण कराएं।
श्रवण यंत्र पर भारी छूट | कोक्लियर इम्प्लांट (परामर्श) | स्पीच थेरेपी
हमारी स्टोर छत्तीसगढ़ में: अंबिकापुर • भिलाई • बिलासपुर • रायपुर • जगदलपुर • कोरबा

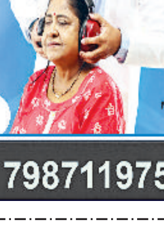

47 TRUST | 130+ CENTRES PAN INDIA
PHILIPS | REXTON HEARING AIDS AVAILABLE
9659 455 455
MAHARASHTRA | TAMILNADU | KERALA | KARNATAKA | ANDHRA PRADESH | TELANGANA | WEST BENGAL | BIHAR | JHARKHAND | CHHATTISGARH

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

सहकारी बैंकों में घोटाला, कलेक्टर-सीईओ को ज्ञापन

रायपुर। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की विभिन्न शाखाओं में करोड़ों रुपए के गबन के मामले में कार्यवाही के लिए कलेक्टर और बैंक के सीईओ को ज्ञापन सौंपा गया है। एनएसयूआई को ग्रामीण अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने आरोप लगाया है कि बैंक के सीओडी शाखा, गंज शाखा, अभनपुर शाखा, बलौदाबाजार शाखा में जमा राशि का गबन बैंककर्मियों ने किया है। बैंकप्रबंधन कार्यवाही के नाम दिखावा कर रहा, घोटालेबाजों को अब तक ना तो सस्पेंड किया है ना ही उन पर अपराध दर्ज कराया है। उन्होंने एक सप्ताह भीतर सभी दोषियों के खिलाफ एफआईआर और निलंबन की मांग कलेक्टर गौरव सिंह से की गई है। चेतावनी दी गई है कि ऐसा नहीं होने पर घेराव के साथ उग्र प्रदर्शन किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग चला रहा नसबंदी पखवाड़ा

रायपुर। जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम के तहत चलाए जा रहे नसबंदी पखवाड़ा के दूसरे चरण में गुरुवार से अगले सात दिनों तक पुरुष नसबंदी का अभियान चलाया जाएगा। 22 नवंबर से जिला अस्पताल पंडरी से प्रारंभ किए गए इस अभियान के तहत पहले सप्ताह में दंपत्तियों से मुलाकात कर उन्हे इसके लिए प्रेरित किया गया था। इस दौरान जिन्होंने अपनी सहमति दी थी उनकी शल्य क्रिया पूरी की जाएगी। योजना के तहत पुरुष नसबंदी में लाभार्थी को 3000 एवं प्रेरक को (मितानिन) को 400 रुपए की राशि प्रदान की जाती हैं।

5 साल के बच्चे ने जज बनकर सुनाया फैसला, कहा- मम्मी-पापा के साथ रहूंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की कोर्ट में 5 साल के बच्चे ने अपनी मम्मी और पापा के अलग होने पर फैसला सुनाते हुए कहा कि वह दोनों के साथ रहना चाहता है। बच्चे का फैसला सुनने के बाद आयोग ने उसके माता-पिता को समझाइश दी, जिसके बाद दोनों सुलह करने के पक्ष में हैं। इस केस में बच्चे के माता-पिता को एक सप्ताह बाद इकरारनामा लेकर आने के लिए कहा है। इस दौरान वे दोनों निरंतर सखी की प्रशासिका एवं प्रोटेक्शन ऑफिसर की निगरानी में रहेंगे। महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक, सदस्य सरला कोसरिया, प्रियंवदा सिंह जूदेव, लक्ष्मी वर्मा ने बुधवार को रायगढ़ स्थित सृजन सभा कक्ष में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई की।

महिला आयोग की समझाइश पर अलग होने वाले पति-पत्नी सुलह करने तैयार

मेडिकल कॉलेज का 15 दिनों में परिवाद समिति का गठन व जांच करने के आदेश

आयोग में रायगढ़ के मेडिकल कॉलेज से संबंधित एक प्रकरण आया था। इस प्रकरण में दोनों पक्ष को विस्तार से सुना गया। आवेदिका की शिकायत पर आंतरिक परिवाद समिति का नियमानुसार गठन और कार्यवाही होना प्रतीत नहीं होता है तथा पूर्ण प्रक्रिया का पालन भी नहीं हुआ। कॉलेज के प्रवेश द्वार के सामने आंतरिक परिवाद समिति का पोस्टर भी डिस्प्ले होना और विधिवत कार्यवाही नहीं हुई है। इसके लिए आयोग ने सखी के प्रोटेक्सन ऑफिसर को आयोग की ओर से अधिकृत किया है, साथ ही कॉलेज में आंतरिक परिवाद समिति का गठन कराने के लिए निर्देशित किया है। इसके लिए दो माह में आयोग को रिपोर्ट प्रेषित करना होगा। इस रिपोर्ट के आधार पर आयोग अंतिम निर्णय लेगा। मेडिकल कॉलेज से संबंधित एक अन्य प्रकरण में 19 छात्राएं भी सुनवाई में उपस्थित हुईं। इसमें अनावेदक पक्ष के साथ कॉलेज के डीन उपस्थित हुए। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी छात्रों से एक-एक करके बंद कमरे में बयान लिए गए, जिसमें किसी भी छात्रा ने अनावेदक के विरोध में कोई शिकायत नहीं बताया है। इस प्रकरण की जांच में यह सामने आया कि विधिवत तरीके से मेडिकल कॉलेज में आंतरिक परिवाद का गठन और कॉलेज के मेन गेट के पास आंतरिक परिवाद समिति का बोर्ड नहीं लगा है। इस पर अनावेदक के साथ उपस्थित मेडिकल कॉलेज के डीन को विधिवत जानकारी दी गई और 15 दिन के भीतर आंतरिक परिवाद समिति का गठन करने के लिए आयोग ने आदेश दिया है।

एक घंटे तक मोबाइल में बंधक बनाकर वसूले 25 हजार

ड्रग्स के साथ बेटी के पकड़े जाने का झांसा, निगम कर्मी डिजिटल अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लोगों को उनके या बेटा-बेटी के किसी प्रकरण में फंसे होने का झांसा देकर डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। बुधवार को आजाद चौक थाना में एक निगमकर्मी ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ डिजिटल अरेस्ट कर 25 हजार रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। निगमकर्मी को जालसाज ने उसकी बेटी को ड्रग्स बेचने के आरोप में पकड़े जाने का झांसा देकर ठगी का शिकार बनाया। डिजिटल अरेस्ट के शिकार मनीष कुमार भोई के मुताबिक घटना दिनांक को वह सुबह जोन कार्यालय जाने के लिए निकला था। इसी दौरान रायपुरा के पास उसके मोबाइल में एक अज्ञात नंबर से वाट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपने आपको महाराष्ट्र सीआईडी का अफसर होने का झांसा दिया। जालसाज ने मनीष को कहा कि तुम्हारी बेटी ड्रग बेचने के आरोप में अपनी तीन अन्य सहेलियों के साथ पकड़ी गई है। कॉल करने वाले जालसाज ने मनीष को उसकी बेटी के भविष्य का डर दिखाकर वाट्सएप कॉल का किसी से जिक्र नहीं करने की धमकी दी और वाट्सएप कॉल से लगातार जुड़े रहने के लिए कहा।

- पेन कार्ड अपडेट नहीं होने से बचे 80 हजार रुपए

बेटा ने बताया ठगी के शिकार हो गए हो

मनीष के मुताबिक जालसाज की धमकी से वह इतना डर गया था कि वह अपने बेटे से बचते हुए दूर जाकर जालसाज से वाट्सएप काल से बात कर रहा था। बेटे ने अपने पिता से अचानक बैंक में 80 हजार रुपए देने का कारण पूछा, तब मनीष ने अपने बेटे को पूरी बात बताई। इसके बाद मनीष के बेटे ने अपने मोबाइल से अपनी बहन से बात की, तो मनीष को पता चला कि वह डिजिटल अरेस्ट होकर ठगी का शिकार हो गया है।

विश्वास में लेने बेटी का वॉइस सुनाया

मनीष के मुताबिक उसकी बेटी पुणे में इंटर्नशिप कर रही है। इस वजह से उसने जालसाज के कॉल को सही मान लिया। मनीष के अनुसार जालसाज ने उसे अपने विश्वास में लेने के लिए बेटी की आवाज सुनाई, वाट्सएप कॉल में मनीष से उसकी बेटी बचाने के लिए गुहार लगा रही थी।

पेन कार्ड अपडेट नहीं होने से बचे 80 हजार

मनीष के अनुसार वह जालसाज के अकाउंट में रुपए जमा कराने के लिए गया, तो कैशियर ने मनीष से पेन कार्ड नंबर मांगा। पेन नंबर मांगे जाने पर मनीष ने अपने बेटे को कॉल कर घर से पेन कार्ड मंगाया। पेन कार्ड अपडेट नहीं होने की वजह से कैशियर ने पैसा जमा करने से इनकार कर दिया। इस वजह से मनीष के 80 हजार रुपए ठगी होने से बच गए।

घर पहुंच कर अलमारी खोल रुपए दिखाया: मनीष के अनुसार जालसाज ने उसे इतना डरा दिया था कि वह घर पहुंचने के बाद घर की आलमारी खोल अलमारी में रखे रुपए दिखाया। मनीष के अनुसार घर में 80 हजार रुपए रखे थे। उन रुपयों को जालसाज ने तत्काल बैंक जाकर जमा कर अपने खाते में ट्रांसफर करने दबाव बनाया। जालसाज के बताए अनुसार मनीष नोटों का बंडल लेकर बैंक जमा करने गया। इस दौरान वह वाट्सएप कॉल से भी जुड़ा रहा।

डिजिटल अरेस्ट के बाद लगा पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई

- मनीष के अनुसार सुबह 10 .50 मिनट पर उसके पास अज्ञात नंबर से वाट्सएप कॉल आया
- नकली सीबीआई द्वारा बेटी के ड्रग्स केस में फंसे होने की धमकी से मनीष बुरी तरह से डर गया
- जालसाज द्वारा बेटी को बचाए जाने की हमदर्दी जताए जाने से मनीष को थोड़ी राहत मिली
- एक लाख रुपए की डिमांड करने पर मनीष को लगा कि इतनी जल्दी कैसे पैसों की व्यवस्था करेगा। बेटी का भविष्य देखते हुए किसी दूसरे काम के लिए घर में रखी नकदी रकम बैंक में जमा करने पहुंच गया।
- घटना के बाद मनीष इस बुरी तरह से डरा हुआ है कि उसे बार-बार जालसाज की धमकी याद आ रही है।

फ्लाई एश निर्माताओं तक नहीं पहुंच रहा राखड़, मिट्टी के ईंटों का निर्माण जारी पर जुर्माना बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

काले ईंट का 100 प्रतिशत उपयोग सभी निर्माण कार्यों में करने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश का पालन नहीं हो रहा है। जिन संस्थानों से राखड़ निकलता है, उन्हें 300 किलोमीटर के दायरे में फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माताओं तक निःशुल्क राखड़ पहुंचाने का प्रावधान है। इसका भी उद्योग मालिकों द्वारा पालन नहीं किया जाता। इससे काले ईंट का निर्माण करने वालों को राखड़ खरीदने के कारण लोगों को यह ईंट महंगा मिलता है। फ्लाई एश ब्रिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष लोकेश शर्मा ने मामले को लेकर बुधवार को पत्रकार वार्ता ली। इसमें उन्होंने कहा कि भारत सरकार और राज्य सरकार के आदेशों की अवहेलना होने से ब्रिक्स निर्माताओं को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जहां प्रदेश के 350 फ्लाई एश ईंट निर्माताओं को राखड़ खरीदना पड़ता है, वहीं उद्योगों से निकलने वाले राखड़ को खुले स्थानों पर डंप करने से प्रदूषण बढ़ रहा है। इतना ही नहीं, मिट्टी का उपयोग करके ईंट बनाने और इन्हें उपयोग करने वालों पर 75 रुपए प्रतिवर्ग फीट पर्यावरणीय प्रतिकर (जुर्माना) वसूलने का प्रावधन होने के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही है।

- फ्लाई एश ब्रिक्स एसोसिएशन ने समस्या सुलझाने दिया सात दिन का समय

ईंट निर्माता अब जाएंगे न्यायालय

उन्होंने बताया कि तीन साल से इसको लेकर एसोसिएशन सभी जिम्मेदारों की चौखट पर जा चुका है। दो महीने पहले पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी को भी समस्याओं से अवगत कराया गया। इसके बाद भी किसी प्रकार का निर्णय नहीं लिया गया है। अब ब्रिक्स ईंट निर्माताओं ने निर्णय लिया है कि सात दिनों में समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो न्यायालय में हम याचिका दायर करने मजबूर होंगे। छोटे व्यापारी हैं, इसलिए सरकार से हमें सहयोग नहीं मिल रहा है। इससे आहत ब्रिक्स निर्माता भी न्याय की गुहार लगाने न्यायालय जाने विवश हैं।

बिजनेस साइट

अविनाश ग्रुप को मिला 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' का सर्टिफिकेट

रायपुर। मध्य भारत के प्रमुख रियल एस्टेट समूह अविनाश ग्रुप ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह समूह अब मध्य भारत का पहला रियल एस्टेट ग्रुप बन गया है जिसे 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' का सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। यह सम्मान अविनाश ग्रुप को मिड-साइज ऑर्गनाइजेशन श्रेणी में मिला है। 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है, जिसने 1992 से अब तक 150 देशों में 100 मिलियन से अधिक कर्मचारियों का सर्वेक्षण किया है। इस संस्था द्वारा यह सर्टिफिकेट उन संगठनों को दिया जाता है जो कर्मचारियों की खुशहाली, कार्यस्थल के बेहतर माहौल और नीतियों के लिए काम करते हैं। अविनाश ग्रुप के एमडी आनंद सिंघानिया ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। यह अविनाश ग्रुप के कर्मचारियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और उनके समग्र भले के लिए किए गए प्रयासों को प्रमाणित करता है।

राज राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर की ओर से न्यूरो-पंचकर्म चिकित्सा पर विशेष संगोष्ठी 30 को

रायपुर। राज राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर, 30 नवंबर को एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। जिसमें न्यूरो-पंचकर्म चिकित्सा पर गहन जानकारी दी जाएगी। यह कार्यक्रम अशोक विहार गली नं. 5 पंडरी में दोपहर 3:30 से शाम 5:30 तक होगा। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को आयुर्वेद की प्राचीन और प्रभावी विधियों जैसे अग्नि कर्म, मर्म विधि, रक्तमोक्षण, और विध कर्म के माध्यम से न्यूरो-पंचकर्म चिकित्सा के लाभों से परिचित कराना है। इस आयोजन में इन तकनीकों का लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी किया जाएगा, जिससे प्रतिभागी इन विधियों को बारीकी से समझ सकेंगे। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए फ़ोन करके फ्री रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है, लेकिन रजिस्ट्रेशन केवल पहले 20 प्रतिभागियों के लिए उपलब्ध है। यह एक सुनहरा अवसर है, जिससे स्वास्थ्य के नए आयामों को जानने का मौका मिलेगा।

ठंड के मौसम में हृदय गति रुकने और ब्रेन हेम्ब्रेज के लक्षणों को पहचानना और उपचार करना जरूरी: डॉ. जिनेश जैन

रायपुर। उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जिनेश जैन और न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. सीएस साहू ने ठंड के मौसम में हृदय गति रुकने और ब्रेन हेम्ब्रेज के खतरे को लेकर महत्वपूर्ण चेतावनी दी है। डॉ. जिनेश जैन ने कहा कि ठंड में हृदय गति रुकने का खतरा ज्यादा होता है, खासकर उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के मरीजों में। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को अत्यधिक पसीना आ रहा हो, धड़कन तेज हो रही हो या सांस लेने में कठिनाई हो, तो उसे तत्काल किसी ऐसे हॉस्पिटल में जाना चाहिए जहां हृदय रोगों के आपातकालीन इलाज की सुविधा उपलब्ध हो। वहीं, डॉ. सीएस साहू ने कहा कि ठंड के मौसम में ब्रेन स्ट्रोक के मामलों में वृद्धि देखी जाती है। ब्रेन स्ट्रोक में शुरुआत के 4 घंटे में इलाज प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक होता है।

जीके जेसीबी ने रायपुर में लॉन्च किया 'जेसीबी एनएक्सटी 215' फ्यूल मास्टर एस्कवेटर

रायपुर। देश की प्रमुख कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट निर्माता कंपनी जेसीबी के सहयोग से छत्तीसगढ़ और विदर्भ के अधिकृत डीलर जीके जेसीबी ने रायपुर में जेसीबी एनएक्सटी 215 फ्यूल मास्टर एस्कवेटर का भव्य लॉन्च किया। इस इवेंट में ग्राहकों ने शानदार प्रतिसाद दिया और उपस्थित लोग मशीन की अत्यधिक सराहना करते हुए उसकी उन्नत विशेषताओं पर चर्चा की। कार्यक्रम में विशेष रूप से चार ग्राहकों ने मशीन की अग्रिम बुकिंग की, जबकि एक मशीन की डिलीवरी भी दी गई। इस अवसर पर जीके जेसीबी के मैनेजिंग डायरेक्टर पुनीत पारवानी, जेसीबी इंडिया के रीजनल बिजनेस हेड अनंत सिंह, रीजनल प्रोडक्ट मैनेजर महेंद्र भालेराव, एरिया मैनेजर शिवदत्त तिवारी, दलजीत सिंह और जीके जेसीबी के जीएम सेल्स रविकांत वर्मा उपस्थित रहे। इस मौके पर शिवदत्त तिवारी ने बताया कि जेसीबी एनएक्सटी 215 फ्यूल मास्टर आईएफएच (इंटेलिजेंट फ्यूल हैंडलिंग) तकनीक से लैस है, जो इसे कम ईंधन में अधिक कार्य क्षमता प्रदान करती है।

उच्च अध्ययन के लिए 65 चिकित्सा अधिकारियों को जारी हुई एनओसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

चिकित्सा विशेषज्ञ की पढ़ाई के लिए स्वास्थ्य केंद्रों में सेवा देने वाले चिकित्सा अधिकारियों को मंत्रालय के चक्कर से राहत मिल गई है। बुधवार को शासन की ओर से 65 चिकित्सा अधिकारियों को एमडी-एमएस की पढ़ाई पूरी करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है। एमबीबीएस की पढ़ाई के बाद चिकित्सा अधिकारियों को अनुबंध सेवा के लिए विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ किया गया था। इनका चयन पीजी की पढ़ाई के लिए हुआ था और विभिन्न मेडिकल कालेज में एडमिशन लेना था। पिछले साल तक ऐसे विद्यार्थियों को शपथपत्र के आधार पर प्रवेश दिया जाता था और छह माह के भीतर शासन की एनओसी जमा करने की सुविधा दी जाती थी। इस बार प्रवेश के दौरान ही अनापत्ति प्रमाणपत्र मांगा गया है, जिसकी वजह से चिकित्सा अधिकारी चिंतित थे। मामले में उनकी ओर से चिकित्सा शिक्षा संचालनालय तक अपनी बात पहुंचाई थी। मामले में संज्ञान लेते हुए शासन की ओर से विभिन्न हेल्थ सेंटरों में सेवा देने वाले चिकित्सा अधिकारियों को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है। नियम के मुताबिक उच्च अध्ययन के दौरान उनकी अनुबंध सेवा पूरी नहीं हुई है इसलिए अवधि को पीजी की पढ़ाई के बाद इसे पूर्ण करना होगा। साथ ही बांड नियम के तहत शासकीय मेडिकल कालेज में स्नातकोत्तर की पढ़ाई के बाद दो साल की ग्रामीण सेवा भी पूरी करनी होगी।

- ले सकेंगे एमडी-एमएस पढ़ाई के लिए एडमिशन

छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ की बैठक आज बस संचालन में आ रही समस्या पर होगी चर्चा

7 सूत्रीय मांग पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित कराएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ की प्रदेश स्तरीय बैठक 28 नवंबर को राजधानी के हॉटल क्लार्क में प्रातः 11 बजे से आयोजित है। इस बैठक में प्रदेश के बस संचालकों को बस संचालन के दौरान आ रही समस्याओं को लेकर चर्चा होगी। इसमें मुख्य रूप से बड़ी संख्या में अस्थायी परमिट स्वीकृत करने, व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस बीएलटीडी और पेनिक बटन लगाने की अनिवार्यता को समाप्त किए जाने सहित 7 बिंदुओं पर प्रमुखता से चर्चा होगी। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सैयद अनवर अली ने बताया कि राज्य में बस संचालकों को बस संचालन के व्यवसाय में कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बस संचालकों के लिए आए दिन नए कानून बनाये जा रहे हैं। इस संबंध में बस संचालकों ने अपनी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करने का प्रयास किया पर उनसे मुलाकात संभव नहीं हो सकी। ऐसे में महासंघ की प्रदेश स्तरीय बैठक रखी गई है, जिसमें बस संचालकों को बस संचालन में आ रही दिक्कतों को लेकर मंत्रणा की जाएगी।

- व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस बीएलटीडी और पेनिक बटन की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग

प्रमुख मांगें इस तरह

- मोटरयान अधिनियम के तहत 2 यात्री बसों के मध्य अंतराल का निर्धारण किया जाये। अनियमित अंतराल, क्रासिंग समय चक्र, समान समय चक्र पर स्वीकृत 1 जनवरी 2024 से 19 नवंबर तक स्वीकृत सभी परमिटों को राजपत्र में अधिसूचना के माध्यम से रद्द करने की मांग।
- व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस वीएलटीडी एवं पेनिक बटन लगाये जाने की अनिवार्यता को समाप्त किया जाये अथवा प्रति डिवाइस 3 हजार रुपए में उपलब्ध कराये जाने के लिए सभी डीलरों को निर्देशित किया जाये।
- बसों में पूर्व में लगी हुई रेडियम पट्टी सही व सुरक्षित स्थिति में है उनमें फिर से 2,500 रुपए वाला रेडियम पट्टी लगाने दबाव न बनाया जाये। यदि रेडियम पट्टी लगाया जाना परिवहन विभाग को आवश्यक प्रतीत होता है तो पुरानी दर 1,200 रुपए प्रति बस के मूल्य में ही अनिवार्य किया जाये।
- ऑल इंडिया परमिट की बसों को केवल जिला मुख्यालय से संचालन की अनुमति दी जाये। 100 किलोमीटर से कम का स्टापेज प्रतिबंधित हो।
- छत्तीसगढ़ राज्य के बस स्टेंडों में केवल पेपरलेस ऑनलाइन टिकिट काटने की अनुमति बुकिंग एजेंटों को दी जाये, बुकिंग एजेंटों को मेनुवल काटने की प्रथा समाप्त करने की मांग।

कलेक्टर गौरव सिंह ने दिए निर्देश

प्रतिबंधित दवाइयां मिलीं तो निरस्त होंगे मेडिकल स्टोर के लाइसेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में बढ़ रही नशाखोरी को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने अब मेडिकल दुकानों की भी विशेष निगरानी और जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर डा. गौरव सिंह ने बुधवार को एक बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी मेडिकल स्टोर में प्रतिबंधित दवाइयां मिलती हैं, तो उसका लाइसेंस निरस्त किया जाए। कलेक्टर ने नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई करने के लिए कलेक्टर सभाकक्ष में जिला स्तरीय गठित समिति की मासिक बैठक ली। इस बैठक में एसएसपी संतोष सिंह, नगर निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा, स्वास्थ्य सहित अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में उन्होंने कहा कि नशे की दवा एवं सामग्री बेचने वालों पर रोक लगाने के साथ कड़ी कार्रवाई की जरूरत है। इसके लिए मेडिकल स्टोर में भी प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री पर रोक लगाना बहुत आवश्यक है। उन्होंने, अधिकारियों को दो टूक में कहा कि किसी भी मेडिकल स्टोर में प्रतिबंधित दवाइयां मिलती हैं तो उसका लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई करें।

जिला और पुलिस प्रशासन संयुक्त रूप से नियमित जांच एवं निगरानी करे

कलेक्टर ने बैठक में कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस मिलकर नशे के सामानों की बिक्री करने वालों पर कड़ी निगरानी करें और नियमित रूप से राजधानी में संचालित समस्त मेडिकल स्टोर की जांच करे। उन्होंने यह भी कहा कि नशाखोरी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि लोग इस बुरी लत से दूर रहें।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, गुरुवार 28 नवंबर 2024

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at - 9755819129

04

सजी-धजी 'सजनी'

लाइव इवेंट

नेशनल टेनिस बॉल चैम्पियनशिप में महिला टीम उपविजेता, पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल में हारी

भिलाई। भारतीय टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के तत्वावधान में जम्मू एवं कश्मीर टेनिस बॉल क्रिकेट संघ द्वारा 35वीं सीनियर नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। मैच जम्मू में खेले गए। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ पुरुष एवं महिला टीम ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ टेनिस बॉल क्रिकेट पुरुष टीम प्री क्वार्टर फाइनल मैच में जम्मू-कश्मीर से 9 रन से पराजित हुई। वही छत्तीसगढ़ महिला टेनिस बॉल क्रिकेट टीम अपने पूल में प्रथम स्थान पर रही। महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल मैच में उड़ीसा को 6 विकेट से हराया। सेमीफाइनल मैच सीबीएसई से 6 विकेट से जीता। फाइनल मैच में छत्तीसगढ़ महिला टीम का मुकाबला उत्तर प्रदेश की टीम से हुआ। उत्तर प्रदेश की महिला टीम ने निर्धारित 8 ओवर में तीन विकेट होकर 57 रन बनाए। जवाब में बैटिंग करने उतरी छत्तीसगढ़ की महिला टीम निर्धारित आठ ओवर में 8 विकेट खोकर 52 रन ही बना सकी। इस तरह छत्तीसगढ़ महिला टीम उत्तर प्रदेश से पांच रन से हारकर दूसरे स्थान पर रही। महिला टीम के खिलाड़ी कप्तान सुधा सोनम निर्मलकर, महेश्वरी, पूनम बंजारे, हेमा साहू, लिसा भूमिका साहू, मोनिका ढीमर आदि थे।

- भारतीय टेनिस बॉल क्रिकेट संघ द्वारा जम्मू में आयोजित की गई प्रतियोगिता

सिटी इवेंट

आर्म्स रेसलिंग स्पर्धा का आगाज, विधायक ने भी आजमाए हाथ

भिलाई। सूर्या मॉल में आर्म्स रेसलिंग प्रतिस्पर्धा का शानदार आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य रूप से दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए। उन्होंने प्रतियोगिता में हाथ आजमाए। राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने युवा खिलाड़ियों के जुनून और उत्साह को करीब से देखा। उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा न केवल युवाओं को अपनी ताकत और कौशल दिखाने का मंच है, बल्कि उन्हें अनुशासन व समर्पण भावना की भी सीख देने का मंच है। ऐसे आयोजन न केवल खेलों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि हमारे युवाओं को जीवन के हर क्षेत्र में आत्मविश्वास और सफलता हासिल करने की प्रेरणा भी देते हैं। इस अवसर पर रोहित सिंग, सुमित सिंग, जालंधर सिंग, अरुण सिंग, तुसीफ अहमद, आसिफ़ अली, अरमान, अभिनव नंदी, यश, राणा, पवन, चंदू देवांगन, लक्ष्मीनारायण साहू, राजू जंघेल, सोनू राजपूत, देवेन्द्र कुमार साहू, प्रकाश साहू सहित अन्य मौजूद थे।

सिटी इवेंट

पांचवीं-आठवीं में बोर्ड पैटर्न लागू करना ऐतिहासिक निर्णयः शुक्ला

भिलाई। छत्तीसगढ़ शिक्षक कांग्रेस ने पांचवीं और आठवीं में बोर्ड पैटर्न लागू किए जाने का स्वागत किया है। संस्था के सदस्यों ने कहा कि संस्था की यह बहु प्रतीक्षित मांग थी। छत्तीसगढ़ राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तथा शिक्षकों, छात्रों एवं पालकों की जिम्मेदारी तय करने हेतु पांचवीं एवं आठवीं को पुनः बोर्ड परीक्षा पैटर्न में लागू करने 26 नवंबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है। यह निर्णय एक मील का पत्थर साबित होगा। छत्तीसगढ़ शिक्षक कांग्रेस के प्रांताध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रांतीय संयोजक अनिल शुक्ला ने बताया कि संगठन के तीन प्रांतीय सम्मेलनों में 2013 से यह मांग की जा रही थी। 11 साल बाद इस पर निर्णय लिया गया है। यह स्कूली शिक्षा में सुधार हेतु एक ऐतिहासिक निर्णय है। उन्होंने इसके लिए छत्तीसगढ़ शासन का आभार व्यक्त किया।

● हथेली से भी छोटे आकार का यह पक्षी काफी दुर्लभ, ठंड के दिनों में ही सैलानियों की तरह होता है आगमन

यूरोप और अलास्का से हजारों किमी का सफर तय कर भारत पहुंचे नीलकंठी, फिलहाल यह हमारे यहां जामुल, बासिंग की शोभा बढ़ा रहे

दुर्लभ पक्षी ब्लू थ्रोट यानी नीलकंठी इन दिनों दुर्ग जिले से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में झुरमुट में देखा जा रहा है। प्रतिवर्ष यह दुर्लभ पक्षी यूरोप और अलास्का के हजारों किलोमीटर की उड़ान के बाद भारत पहुंचता है। हर बार इन मेहमानों का ठंड के दिनों में सैलानियों की तरह आगमन होता है। इस बार भी इनका आगमन हो चुका है। फिलहाल इन मेहमानों को बासिंग, जामुल और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है। इससे पहले यह उमरपोटी बांध के आसपास देखे गए थे। सैकड़ों की संख्या में ये पक्षी नजर आ रहे हैं। ये पक्षी बेहद खूबसूरत हैं। दुर्ग जिले में इसके अलावा भी ठंड के दिनों में अन्य सैलानी पक्षियों का आगमन शुरू हो चुका है। हर साल इन पक्षियों का आगमन होता है।

अतुल अग्रवाल ▶▶ भिलाई

इन सैलानियों पक्षियों को फिलहाल संरक्षण की जरुरत है। इस पक्षी के नाम से ही पता चलता है इसकी गर्दन के नीचे एक नीले रंग का धब्बा होता है। इस पक्षी की खास विशेषता यह है कि यह दूसरे पक्षियों की आवाजों की नकल बखूबी कर लेता है। इसकी आवाज ही बहुत मधुर होती है। यह पक्षी हमारी हथेली के आकार से भी छोटा होता है। पक्षी विशेषज्ञ बताते हैं कि यह पक्षी यूरोप और अलास्का से प्रवास कर भारत आते हैं। इसको हिंदी में नीलकण्डी भी कहा जाता है। यह किट भक्षी होते हैं। इनके गले पर सुन्दर नीला रंग होता है। हर वर्ष अलग-अलग देशों व राज्यों से प्रवासी पक्षी दुर्ग और बेमेतरा आते हैं। पिछले कुछ समय से इनकी संख्या में बढ़ोतरी हुई है। ज्यादातर पक्षी कीटों, फलों या अनाज पर निर्भर होते हैं। कलियासोत, केरवा और वन विहार जैसे इलाकों के आसपास उन्हें इस तरह का भरपूर भोजन नहीं मिल पाता है। इसलिए पक्षी ऐसे स्थानों की ओर बढ़ रहे है, जहां उन्हें उनके लिए पर्याप्त भोजन मिल सके। हर प्रकार के शोर से वो दूर रहे। वातावरण उनके अनुकूल रहे। पक्षी खेतों के आसपास, छोटे पानी के पोखर, तालाब, फलों के बाग़, छोटे उद्यानों में भी आसानी से दिखाई दे रहे हैं। हरियाली, ठंडी जगह देखकर ये पक्षी आकर्षित होते हैं। इस बार दुर्ग में ठंड अन्य जिलों की तुलना में ज्यादा है। इस वजह से पक्षी दुर्ग जिले में पहुंच रहे हैं। पक्षियों पर शोध करने वाले कमलेश वर्मा बताते हैं कि उन्हें बासिंग और जामुल के आसपास इन पक्षियों की तस्वीर ली है। ये बेहद खूबसूरत है। ये अलग-अलग पक्षियों की आवाज निकालते हैं। बता दें कि ब्लू थ्रोट के अलावा अन्य सैलानी पक्षी हर साल हमारे जिले में आते हैं। इस बार भी इनका आगमन शुरू हो चुका है।

इसाबेलिन व्हिटियर

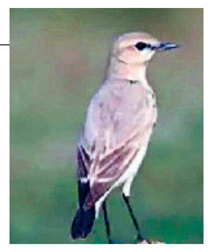

इसे सक्रिय बेचैन पक्षी कहा जाता है, जो लंबी छलांग के साथ जमीन पर घूमता है। दक्षिणी रूस और मध्य एशिया से लेकर उत्तरी पाकिस्तान तक अफ्रीका और उत्तर-पश्चिमी भारत में सर्दियों में प्रजनन करता है। छत्तीसगढ़ में इसे देखना दुर्लभ है। यश शुक्ला ने इसे पाटन के पास ग्राम चीचा में देखा और उसकी तस्वीर ली।

ब्लैक-हेडेड बंटिंग

काले सिर और पीले रंग का ये पक्षी यूरोप और ईरान में ज्यादा दिखाई देता है। इस प्रजाती में नर पक्षी का सिर काला, निचला भाग पीला और पीठ हल्के भूरे रंग का होता है। जबकि मादा पूरी तरह से भूरे रंग की होती है। इस पक्षी की तस्वीर दुर्ग जिले के कुम्हारी इलाके से ली गई है।

फाल्केटेड डक

ये एक प्रवासी बतख है, जो दक्षिणपूर्व एशिया के अधिकांश हिस्सों में सर्दियां बिताती है। यह छत्तीसगढ़ के गिधवा बेमेतरा जलाशय में पहली बार देखी गई। ये बतख पूर्वी साइबेरिया और मंगोलिया में प्रजनन करती है।वन विभाग दुर्ग ने इसका डॉक्यूमेंटेशन किया है।

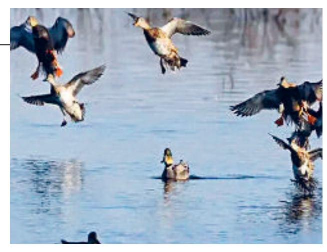

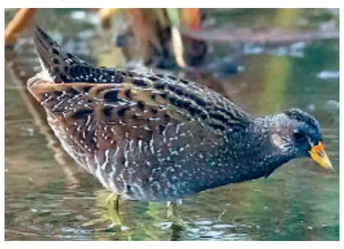

स्पॉटेड क्रेक

क्रेक प्रजाति का ये चित्तीदार पक्षी बेहद शर्मिला होती है। यूरोप और पश्चिमी एशिया में प्रजनन करते है और सर्दियों में प्रवास पर अफ्रीका और भारत के कुछ हिस्से में आते हैं। छत्तीसगढ़ में पहली बार इसे जनवरी 2021 में गिधवा बेमेतरा जलाशय में इसे देखा गया।

बार हेडेड गूस

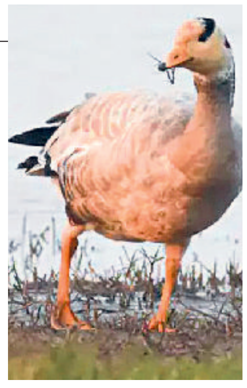

यह हंस प्रजाति का पक्षी है, जो मध्य एशिया में पहाड़ी झीलों के पास दिखाई देता है और दक्षिण एशिया में सर्दियों में प्रजनन करता है। भारत के अलग-अलग इलाकों में इसे देखा जा सकता है। ये तस्वीर पाटन के फूडा क्षेत्र में ली गई है। पिछले साल इस पक्षी को दुर्ग जिले में पहली बार देखा गया।

सीआईएसएफ ने लॉन्च की ई-सर्विस बुक, पेंशन और सेवा प्रबंधन में होगी आसानी

भिलाई। भारत सरकार की राष्ट्रीय डिजिटल इंडिया पहल के हिस्से के रूप में सीआईएसएफ़ ने अपने ई-सर्विस बुक पोर्टल को लॉन्च करने की घोषणा की। यह सभी बल सदस्यों के लिए सुलभ होगी। इस नई पहल को अपने सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए पेंशन प्रक्रिया प्रणाली को सुव्यवस्थित और तीव्र करने के लिए बनाया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें सेवानिवृत्ति की तिथि पर ही सभी पेंशन लाभ मिल सके। अब तक सेवा पुस्तिका के भौतिक अंतरण के चलते सेवानिवृत्ति पर देय राशि के भुगतान में कई महीनों की देरी होती है। यह अपने सेवारत कर्मियों को भी उनकी सेवा पुस्तिका तक ऑनलाइन पहुंच प्रदान कर लाभान्वित करेगा और इसका अद्यतन सुनिश्चित करेगा। नया डिजिटल ढांचा सेवा पुस्तिका के भौतिक अंतरण की आवश्यकता को समाप्त करेगा। ई-सर्विस बुक की प्रमुख विशेषताओं में से एक इसकी त्वरित समय ट्रैक किए जा सकने की क्षमता है। हितधारक अब त्वरित समय में पेंशन फाइलों की स्थिति देखकर, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कर सकते हैं।

ऑनलाइन सुविधा से बल के जवानों को मिलेगी राहत

उपमहानिरीक्षक दीपक वर्मा ने इसे लॉन्च किया। इस अवसर पर जानकारी दी गई कि पेंशन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के अतिरिक्त, ई-सर्विस बुक सेवारत कर्मियों को उनकी सेवा पुस्तिकाओं तक ऑनलाइन पहुंच प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाती है। यह उन्हें अपने सेवा रिकॉर्ड की निगरानी करने, किसी भी विसंगतियों की पहचान करने और समय पर सुधारात्मक कार्रवाई शुरू करने में समर्थ बनाता है। सेवा रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करके, ई-सर्विस बुक सेवारत कर्मियों को उनके करिअर की प्रगति और सेवानिवृत्ति लाभों की प्रभावी ढंग से योजना बनाने में सहायता करती है। इससे संगठन में पारदर्शिता बढ़ेगी।

संविधान दिवस पर जलाए दीप, पालन का लिया संकल्प

दुर्ग। कविता वेलफेयर द्वारा संविधान दिवस पर जागरूकता का संदेश दिया। संस्थान के सदस्यों ने संविधान चौक पर पहुंचकर रंगोली बनाई, दीप प्रज्वलित की। साथ ही संविधान के पालन का संकल्प लिया। इस अवसर पर कविता रंगारी, अमित गजभिए, दिनेश मानिकपुरी, प्रमिला मानिकपुरी, लक्की सहित अन्य मौजूद थे। इस दौरान सदस्यों ने बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा तैयार संविधान के पालन की शपथ ली। उन्होंने कहा कि वे लगातार लोगों को संविधान के पालन के लिए जागरुक करने का प्रयास कर रहे हैं। आगे भी उनका प्रयास जारी रहेगा। संविधान हमारे देश की सबसे बड़ी सुंदरता है, जिसने हमें कहीं भी आने-जाने, बोलने की स्वतंत्रता दी। संविधान ने हमें और भी कई अधिकार दिए, जिसके कारण ही आज देश लगातार प्रगति की राह पर अग्रसर है।

संस्कृति, भाषा और परंपराओं को लेकर जनजातीय समारोह का आयोजन

कार्नर न्यूज

आईआईटी भिलाई में आदिवासियों के गौरवशाली इतिहास पर प्रदर्शनी, व्याख्यान में कहा-आजादी की लड़ाई में अविस्मरणीय योगदान

भिलाई। आईआईटी भिलाई में संस्कृति, भाषा और परंपरा केंद्र (सीसीएलटी) ने जनजातीय गौरव वर्ष समारोह के एकभाग के रूप में जनजातीय नायकों पर एक प्रदर्शनी और भारत के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी शीर्षक पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। जनजातीय गौरव वर्ष महान आदिवासी नायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर मनाया जाता है। आईआईटी भिलाई में व्याख्यान, प्रदर्शनी और पैनल डिसकसन की एक व्यापक श्रृंखला के माध्यम से जनजातीय गौरव वर्ष मनाएगा। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश ने संस्थान के लेक्चर हॉल परिसर में किया। यह प्रदर्शनी विशेष रूप से जनजातीय समुदाय की महिला मार्गदर्शकों पर केंद्रित है। इसे छात्रों को इस विषय में सक्रिय रुचि लेने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के इतिहास अध्ययन संकाय के डॉ. डीएन. खुटे ने व्याख्यान दिया। डॉ. खुटे ने उपनिवेशवाद विरोधी प्रतिरोधों और स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समुदायों के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने अठारहवीं शताब्दी से औपनिवेशिक शासन के खिलाफ आदिवासी समुदायों द्वारा किए गए विभिन्न विद्रोहों को सूचीबद्ध किया। इस क्षेत्र में मौजूदा इतिहास लेखन पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता पर टिप्पणी की।

छात्रों ने रखे अपने विचार, सांस्कृतिक महत्व पर भी प्रकाश डाला

इस कार्यक्रम में संस्थान के छात्र, संकाय सदस्य और कर्मचारीगण शामिल हुए। दुर्ग स्थित पीएम श्री केवी स्कूल के चुनिंदा छात्रों ने भी व्याख्यान में भाग लिया। आईआईटी भिलाई स्थित संस्कृति, भाषा और परंपरा केंद्र (सीसीएलटी) शैक्षणिक समुदाय के सदस्यों के लिए सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व के विषयों पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखेगा।

आदिवासियों के कल्याण और उत्थान के लिए हो रहे काम

आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश ने व्याख्यान में अपनी उपस्थिति से इसकी शोभा बढ़ाई और विशेष रूप से छत्तीसगढ़ और पूरे भारत के आदिवासी समुदायों के कल्याण और उत्थान के लिए काम करने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समुदायों के योगदान को सामने लाने के लिए किए जा रहे विद्वतापूर्ण प्रयासों की सराहना की और छात्रों से जनजातीय समुदायों के दूरदर्शी लोगों से शिक्षा और मूल्यों को आत्मसात करने का आग्रह किया।

सिटी इवेंट

श्रीकृष्ण मंदिर अहीर समाज ट्रस्ट की जमीन पर अतिक्रमण का प्रयास

भिलाई। श्रीकृष्ण मंदिर अहीर समाज ट्रस्ट की जमीन पर अतिक्रमण का मामला प्रकाश में आया है। इसकी शिकायत सामाजिक प्रतिनिधियों ने प्रशासन से की है। शिकायतकर्ता संस्था की अध्यक्ष दुर्गा यादव, उपाध्यक्ष सरोज यादव, सचिव करुणा यादव, कोषाध्यक्ष वर्षा यादव ने बताया कि ट्रस्ट की रायपुर में जमीन है। समाज के वरिष्ठों ने इस जमीन को लिया था। जमीन स्वर्गीय नारायण यादव के नाम पर है। जमीन पर 23 अप्रैल 1974 से संस्था के लोगों का कब्जा रहा है। ट्रस्ट के पंजीयन के बाद इस जमीन पर भगवान कृष्ण का मंदिर और अन्य निर्माण कराए गए। निर्माण के कुछ समय बाद कुछ लोगों ने जमीन पर अतिक्रमण का प्रयास किया। इसे लेकर ट्रस्ट ने पहले तहसील न्यायालय और बाद में एसडीएम न्यायालय में परिवाद दायर किया। जहां सुनवाई के बाद 14 जुलाई 2023 को ट्रस्ट के पक्ष में फैसला आया। इसके बाद भी जगह पर अतिक्रमण का प्रयास किया जा रहा है।कथित रूप से निर्माण किया जा रहा है। आपत्ति के बाद भी ऐसा काम किया जा रहा है। उक्त भूमि में अहीर समाज की महिलाओं की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत झूठा शपथ पत्र देकर जानबूझकर गलत जानकारी देकर आम लोगों को भ्रमित कर कुछ लोग जमीन को हथियाने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें कोसरिया यादव समाज से जुड़े कुछ लोग शामिल हैं। उन्होंने मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने और जमीन का मालिकाना हक दिलाए जाने की मांग की है।

● आईसीएआई भिलाई शाखा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला का किया आयोजन

खाता-बही में भी एआई का उपयोग, सर्टिफिकेट कोर्स की हुई शुरुआत, तकनीकी पहलुओं से कराया अवगत

भिलाई। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की भिलाई शाखा द्वारा तीन दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन भिलाई ब्रांच में किया गया। तीन दिवसीय यह कोर्स 25 से 27 नवंबर तक आयोजित किया गया। इसमें भिलाई और आसपास के क्षेत्रों के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स बड़ी संख्या में भाग लिया। भिलाई ब्रांच के चेयरमैन सीए राहुल बत्रा ने बताया कि यह छत्तीसगढ़ में आयोजित पहला एआई सर्टिफिकेट कोर्स है। इस कोर्स का उद्देश्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को आधुनिक तकनीकों से परिचित कराना और उनके कौशल को उन्नत बनाना है। इस कोर्स के विभिन्न सत्रों का संचालन विशेषज्ञ वक्ताओं डॉ. सौरभ माहेश्वरी, सीए विशाल गांधी, और सीए राहुल धारने ने किया।

जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आए सीए हुए शामिल

आयोजन में दुर्ग, भिलाई के अलावा आसपास के अन्य जगहों से आए सीएम शामिल हुए। प्रजेन्टेशन के माध्यम से उन्हें एआई के उपयोग से जुड़ी बारीकियां बताई गई। सीए ने भी जिज्ञाशावश प्रश्न किए। उन्होंने नियमित रूप से एआई के उपयोग को लेकर प्रशिक्षण दिए जाने की बात कही। इस पर वक्ताओं ने कहा कि नियमित रूप से ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। भविष्य में भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे। उन्होंने शासन स्तर पर एआई को लेकर जारी की गई गाइडलाइन से भी अवगत कराया।

नई तकनीकों के व्यावसायिक उपयोग पर मंथन, लगातार प्रशिक्षण दिए जाने बनी सहमति

एआई की नवीनतम तकनीकों और उनके व्यावसायिक उपयोग पर गहराई से चर्चा की गई। इस दौरान जानकारी दी गई कि लेखा और वित्तीय रिपोर्टिंग में एआई का उपयोग कर सटीकता और कार्यक्षमता किस तरह बढ़ाई जा सकती है। साथ ही कराधान में एआई का योगदान, अनुपालन, पूर्वानुमान और धोखाधड़ी की पहचान में एआई का महत्व एवं कॉर्पोरेट वित्त और सलाहकार सेवाओं में एआई आधारित निर्णय लेने की प्रक्रिया पर विशेष रूप से चर्चा की गई। वक्ताओं ने बताया कि एआई वर्तमान समय की जरुरत है। इसे जानना और समझना हर व्यापारी की जरुरत है। सीए की जिम्मेदारी है कि वे व्यापारियों को इसके बारे में सही जानकारी उपलब्ध कराएं।

सीए को एआई का उपयोग करना आज के समय की जरुरत

कार्यक्रम का उद्घाटन सीए विशाल गांधी ने किया। उन्होंने कहा कि आज के व्यावसायिक परिवेश में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को एआई जैसी तकनीकों को अपनाना बेहद आवश्यक है। इससे उनकी दक्षता और प्रासंगिकता में वृद्धि होगी। कार्यक्रम में उपस्थित सीए सदस्यों एवं छात्रों ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए इसे पारंपरिक और आधुनिक व्यवसाय प्रथाओं के बीच की खाई को पाटने वाला कदम बताया। कोर्स के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

सिटी लाइव

संविधान दिवस पर एम्प्लॉयज एसोसिएशन की वेबसाइट लॉन्च

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र एससीएसटी एम्पलाइज एसोसिएशन की वेबसाइट लॉन्च की गई। महासचिव विजय कुमार ने बताया कि संगठन के अध्यक्ष एवं फेडरेशन के उपाध्यक्ष कोमल प्रसाद की अध्यक्षता संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में इसे लॉन्च किया गया। इस्पात क्लब सेक्टर 5 में मुख्य अतिथि पवन कुमार कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन विभाग बीएसपी के आतिथ्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। भारतीय संविधान भारतीय महिलाओं के मुक्तिदाता विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के तैल चित्र पर दीप जलाकर माल्यार्पण किया गया। पवन कुमार ने कहा कि बाबा साहब ने देश को संविधान दिया, यह देश पर उपकार था। उन्होंने हमारे लिए शिक्षित बनो संघर्ष करो संगठित रहो का संदेश दिया। हम ना पहले कमजोर थे न ही आज कमजोर हैं। हमें शिक्षा के बल पर आगे बढ़ते जाना है। संगठित रहकर संघर्ष करते रहना है। विशिष्ट अतिथि नरेंद्र कुमार बंछोर ने कहा कि भारतीय संविधान देश को प्रत्येक विषम परिस्थितियों में सुरक्षित रखने में सक्षम है। भारतीय संविधान ने महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर अधिकार दिया है, जिससे महिलाएं आज घर से बाहर अपनी प्रतिभा दिखा पा रही है। इस अवसर पर हाईकोर्ट के अधिवक्ता त्रिभुवन दास, एसोसिएशन के अध्यक्ष कोमल प्रसाद, पार्वती ढीढी, कमल कुमार टंडन, श्यामलाल नेगी, बहादुर जैसवारा, पुष्पा मैरिसा, प्रशांत कुर्रे, एमआर ठाकुर सहित अन्य प्रमुख रूप से मौजूद थे।

आयोजन

लीनेस क्लब के अध्यक्षों ने किए गए कार्यों का दिया प्रजेन्टेशन, बेस्ट को मिला सम्मान

भिलाई। ऑल इंडिया लीनेस ऑर्गेनाइजेशन डिस्ट्रिक्ट सीएम संपदा का एरिया कॉन्फ्रेंस दुर्ग के एक निजी होटल में हुआ। एरिया ऑफिसर ममता गोयल के नेतृत्व में यह कॉन्फ्रेंस हुआ। इसमें मुख्य रूप से वाइस डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट रश्मि अग्रवाल मौजूद थीं। नोट स्पीकर पास्ट डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट शबाना नाज और विशिष्ट अतिथि के रूप में कैबिनेट सेक्रेटरी नूतन गंधोक उपस्थित थीं। एरिया कांफ्रेंस संगम में लीनेस क्लब रायपुर, भिलाई, बिलासपुर, दुर्ग सिटी, दुर्ग तेजस्विनी से करीब 60 मेंबर्स शामिल हुए। सभी क्लब ने बैनर प्रेजेंटेशन किया। उनके क्लब द्वारा किए गए सर्वश्रेष्ठ कार्यों के लिए एरिया ऑफिसर ममता गोयल ने सभी सम्मानित किया। प्लेटिनम अध्यक्ष वंदना ठाकुर रायपुर, नीता गुप्ता भिलाई, प्लेटिनम सचिव संध्या गुप्ता रायपुर और शालिनी मंत्री भिलाई को सम्मानित किया गया। प्लेटिनम कोषाध्यक्ष का अवॉर्ड दुर्गेश नंदनी दुबे दुर्ग को मिला। सर्वश्रेष्ठ क्लब और सर्वश्रेष्ठ बैनर प्रेजेंटेशन का अवॉर्ड क्लब भिलाई को मिला। श्रेष्ठ बैनर प्रेजेंटेशन और सर्वश्रेष्ठ एलबम का पुरस्कार लीनेस क्लब रायपुर को दिया गया।

डायमंड अध्यक्ष विभा गुप्ता, डायमंड सचिव भारती कुर्रे लीनेस क्लब दुर्ग सिटी को दिया गया। मुख्य अतिथि रश्मि अग्रवाल ने 30 नवंबर को सतना में आयोजित ऑल इंडिया कांफ्रेंस समर्पण में शामिल होने का अनुरोध किया। सभा को एरिया ऑफिसर ममता गोयल, पूर्व डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट शबाना नाज, मृदुला रोजिन्दर, तृप्ता कौर कॉम्बो, माला पॉल, सोनाली ओस्तवाल, नूतन गंधोक ने संबोधित किया। कार्यक्रम में दुर्ग की अध्यक्ष विभा गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष अनिता तिवारी, पूर्णिमा गुप्ता, शानू अग्रवाल, आकांक्षा मिश्रा, रत्नमाला पालिया, श्रुति तिवारी का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन पूर्व डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट शबाना नाज ने किया।

हर वार्ड में लग रहे शिविर

70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के बनाए जा रहे आयुष्मान कार्ड

दुर्ग। वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। इसके लिए पहले घर-घर सर्वे का काम किया गया। इसके बाद वार्डों में शिविर लगाकर कार्ड बनाए जा रहे हैं। बुधवार को दीपक नगर वार्ड-23 में शिविर लगाया गया। जहां बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। बता दें कि इस कार्ड के माध्यम से 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को 5 लाख रुपए तक के इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। दुर्ग निगम आयुक्त के निर्देश पर लगातार घर-घर संपर्क किया जा रहा है। डाटा सेंटर में पदस्थ गंगा साहू ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशन में काम किया जा रहा है। सीनियर सिटीजन के अलावा सामान्य लोगों के भी आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं।

पांच लाख तक का मिलेगा मुफ्त इलाज

इसके लिए दीनदयाल अंत्योदन योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की टीम और आंगनबाड़ी मितानिनों को प्रशिक्षण दिया गया है। जानकारी में बताया गया है कि उपलब्ध कराई गई सूची के आधार पर डोर-टू-डोर जाना होगा। प्रत्येक कर्मचारी मोबाइल एप से ओटीपी लेकर जानकारी भरेंगे। इसके बाद वरिष्ठ नागरिक पंजीकृत किसी भी अस्पताल में पांच लाख तक निशुल्क उपचार करवा सकते हैं। आयुष्मान कार्ड प्रभारी ने बताया कि निगम क्षेत्र के 17 वार्डो में निगम के 50 से अधिक कर्मचारी फील्ड में रहे। निगम क्षेत्र के पूरे 60 वार्डो में अलग-अलग चरणों मे घर-घर दस्तक देकर आयुष्मान कार्ड के लिए सर्वे किया जा रहा है। 30 नवंबर तक यह कार्य किया जाना है। आयुक्त सुमीत अग्रवाल ने पार्षदों और परिवार के मुखिया से अपील की है कि वे 70 से अधिक उम्र वाले बुजुर्ग अपना आयुष्मान कार्ड जरूर बनवाएं।

सिटी इवेंट

संविधान दिवस पर कविता पाठ मौलिक अधिकारों की दी जानकारी

दुर्ग। एनएसएस ने छत्तीसगढ़ कृषि महाविद्यालय धनोरा में संविधान दिवस मनाया। राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट ने 75वें संविधान दिवस पर अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया।

■ एनएसएस ने छत्तीसगढ़ कृषि महाविद्यालय में किया आयोजन

इस अवसर पर कॉलेज के सेमिनार हॉल में संविधान दिवस पर परिचर्चा हुई। इसमें मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. शुभेंदु राय थे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की फोटो पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके बाद बीएससी कृषि प्रथम वर्ष की छात्रा दिशा वर्मा ने संविधान की महत्व को बताते हुए एक मनमोहक कविता प्रस्तुत किया। इसके बाद मुख्य अतिथि डॉ. रॉय ने उपस्थित छात्र छात्राओं को संविधान का महत्व बताते हुए उसके पालन करने पर बल देते हुए संबोधित किया। एमएस लोधी ने भी छात्रों को संबोधित किया। छात्र छात्राओं ने संविधान की रक्षा की शपथ कार्यक्रम के अंत में लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रथम सोनी ने किया। समापन कार्यक्रम अधिकारी विवेक पांडे ने किया। कार्यक्रम में डॉ. राखी कोरी और ट्विंकल सिन्हा के साथ कॉलेज के सभी छात्र मौजूद थे।

जिले के 112 स्कूलों में हो रहा बालवाड़ी का संचालन, धमधा में 56 शालाएं

कार्नर न्यूज

नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों को पाने बालवाड़ी में होगा प्रयास, बच्चों की शिक्षा को लेकर शिक्षकों में मंथन

भिलाई। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर और अह्वान ट्रस्ट के संयुक्त प्रयासों से दुर्ग जिले की 112 शालाओं में बालवाड़ी का संचालन किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा और जिला मिशन समन्वयक सुरेंद्र पांडेय के मार्गदर्शन में अह्वान टीम इस कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए कार्यरत है। बालवाड़ी कार्यक्रम के तहत धमधा की 56 शालाओं के शिक्षकों की एक दिवसीय मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक विकासखंड शिक्षा अधिकारी कैलाश साहू, विकासखंड स्रोत समन्वयक महावीर वर्मा और ब्लॉक कार्यालय से प्रवीण मिश्रा की उपस्थिति में हुई। बैठक में बालवाड़ी कार्यक्रम की प्रगति पर चर्चा करते हुए शिक्षकों के अनुभव साझा किए गए। साथ ही बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों और शालाओं को प्रोत्साहित किया गया। बैठक में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और बालवाड़ी कार्यक्रम के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए ठोस रणनीतियां तय की गईं।

बुनियादी भाषा और संख्याज्ञान पर विशेष ध्यान

अह्वान ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम समन्वयक प्रदीप शर्मा ने बालवाड़ी के बच्चों के लिए भाषा और संख्याज्ञान के कौशलों की अहमियत पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा बच्चों की आगे की पढ़ाई का मजबूत आधार होती है। बैठक में शिक्षकों को बुनियादी कौशलों को सुदृढ़ करने के लिए गतिविधियों और शिक्षण विधियों की जानकारी दी गई। बालवाड़ी के प्रगति को मजबूत बनाने के लिए पालकों के साथ नियमित बैठकें आयोजित करने और उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। शिक्षकों को पालकों को बालवाड़ी के महत्व और उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए।

पढ़ाई में पीछे बच्चों के लिए कार्ययोजना

बैठक में बालवाड़ी के पीछे चल रहे बच्चों की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए विशेष योजना तैयार की गई। इन बच्चों को व्यक्तिगत ध्यान और सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ तालमेल बढ़ाने और उनकी सहायता से बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को सुदृढ़ करने की योजना पर चर्चा की गई। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कैलाश साहू ने बालवाड़ी की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस चरण में बच्चों के अनुभव उनके सीखने और ज्ञान अर्जन की क्षमता को मजबूत करते हैं। बालवाड़ी बच्चों को आगे की कक्षाओं के लिए तैयार करती है।

नियमित समीक्षा और छात्रों के प्रदर्शन पर चर्चा

बैठक के दौरान जिला समन्वयक तुषार साहू ने बालवाड़ी के सीखने के प्रतिफलों और बच्चों की प्रगति पर चर्चा की। शिक्षकों को सीखने के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए नियमित योजना बनाने और गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में बेहतर कार्य और प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों और शालाओं को प्रोत्साहित किया गया। इससे अन्य शालाओं के शिक्षकों को भी प्रेरणा मिली। बैठक के दौरान विकासखंड स्त्रोत सम्मनव्यक महावीर वर्मा द्वारा संविधान दिवस मनाते हुए सभी को संविधान की प्रस्तावना पढ़कर सुनाई।

सिटी स्पोर्ट्स

बापूना कप में छत्तीसगढ़ की 6 विकेट से जीत

रायपुर। विर्दभ क्रिकेट एसोसियेशन की ओर से मेंस अंडर-23 बापूना कप 25 नवंबर से जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का दूसरा वनडे मैच 26 नवंबर को नागपुर में दिनशॉ 11 टीम के विरुद्ध खेला गया।

दिनशॉ 11 अंडर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुये 46.1 ओवरों में 10 विकेट खोकर 196 रन बनाये। जिसमे जगजोत 67 रन तथा प्रथम माहेश्वरी ने 42 रन बनाये।

छत्तीसगढ की ओर से विजय यादव ने 3 विकेट, वासुदेव बरेथ, आयुष ठाकुर तथा वरुण सिंह भुई ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। 197 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए छत्तीसगढ ने 35.3 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाकर मैच जीत लिया। छत्तीसगढ की ओर से आशिष डहरिया ने 97 रन बनाये। उनके अतिरिक्त विजय यादव तथा राहुल प्रधान ने 22-22 रनों का योगदान दिया । दिनशॉ 11 की ओर से प्रथम माहेश्वरी ने 2 विकेट प्राप्त किया।

महिला महाविद्यालय की हैंडबॉल टीम लगातार दूसरे वर्ष विजेता

रायपुर। श्रीमती प्रमिला गोकुल दास डागा कन्या महाविद्यालय द्वारा आयोजित सेक्टर स्तरीय अंतर महाविद्यालयिन हैंडबॉल महिला प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुये शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर कॉलेज ने विजेता होने का गौरव प्राप्त किया।

महाविद्यालय की टीम ने फायनल मुकाबले में शासकीय महिला महाविद्यालय देवेंद्र नगर को 23-12 से पराजित करते हुये ख़िताब अपने नाम किया। कॉलेज की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की है। उक्त जानकारी क्रीड़ा अधिकारी डॉ कर्मिष्ठ शंभरकर ने दी।

नेशनल में छत्तीसगढ़ के अभय ने स्विमिंग में जीता सिल्वर

रायपुर। गुजरात के राजकोट में जारी 68 वी राष्ट्रीय शालेय स्विमिंग स्पर्धा में छत्तीसगढ़ से प्रतिनिधित्व कर रहे अभय प्रकाश साहू ने 200 मीटर बटरफ्लाई में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया। कोच दुर्गा यादव व टीम के मैनेजर राजेश साहू ने अभय के इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए शुभकामनाये दी है।

बिलासपुर ब्लू ने रायगढ़ को 8 विकेट से हराया

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-19 प्लेट ग्रुप इंटर डिसट्रिक्ट क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बिलासपुर ब्लू ने अपना पहला मैच 24 नवंबर को रायगढ़ के मध्य भिलाई के कल्याण कॉलेज में खेला। रायगढ़ ने दूसरे दिन का खेल खत्म होते तक सात विकेट खोकर 74 रन बना लिए थे और 69 रनों की बढ़त बना ली थी। 26 नवंबर को पहले मैच के अंतिम दिन का खेल खेला गया और 74 रानी से आगे खेलते हुए 99 रन बनाकर रायगढ़ की पूरी टीम ऑल आउट हो गई। रायगढ़ की ओर से सक्षम चौबे ने 21 रनों का योगदान दिया। बिलासपुर ब्लू की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए आयान उपाध्याय ने 20 ओवर में 34 रन देकर पांच बहुमूल्य विकेट प्राप्त किए। इसके अलावा उत्कृष्ट तिवारी ने तीन विकेट और अनुज चंद्रा ने एक विकेट प्राप्त किए।

रायगढ़ ने 95 रनों का लक्ष्य रखा जिसे बिलासपुर ब्लू ने दो विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया और रायगढ़ को 8 विकेट से हराते हुए 6 अंक प्राप्त करने में सफल रही। बिलासपुर ब्लू की ओर से बल्लेबाजी करते हुए अनुज चंद्रा ने नाबाद 27 रन बनाएं, जयंत यादव ने 26 रन, विशेष सिंह ने 23 रन और विकेट कीपर आकाशदीप सिंह ने नाबाद 19 रनों का योगदान दिया। रायगढ़ की ओर से गेंदबाजी करते हुए फैजान हुसैन और अनुज सिंह ने एक-एक विकेट लिया।

मैच के निर्णायक सुनील डड़सेना और आशुतोष जाधव, स्कोरर विनोद देवघरे और आयुष ठाकुर और ऑब्जर्वर दलजीत सिंह सिदाना थे। बिलासपुर ब्लू के कोच सुशांत शुक्ला है।

भोजन के बाद हम कुछ ऐसा न करें जिससे मोटापा बढ़ता ही जाए

मोटापा बढ़ाने में मददगार है खाने के बाद की गईं गलतियां, आप भी तो ऐसा नहीं करते

रोजमर्रा की जिंदगी में की गई हमारी कुछ गलतियां वजन बढ़ाने के लिए जिम्मेदार होती हैं। खासकर, खाने के तुरंत बाद की गई गलतिया आपको कभी पतला नहीं होने देती हैं। मोटापे को कम करने के लिए खान-पान और लाइफस्टाइल से जुड़ी सही आदतों को अपनाना बहुत जरूरी है। हम रोजमर्रा की जिंदगी में कई ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनके चलते वजन कम होने के बजाय तेजी से बढ़ने लगता है। वहीं, कुछ लोग वजन कम करने के लिए सही डाइट और एक्सरसाइज को फॉलो करते हैं, लेकिन फिर भी वजन कम नहीं हो पाता है। इसके पीछे हमारी कुछ ऐसी आदतें होती हैं, जिनके नुकसान के बारे में असर मे हम नहीं जानते हैं। यहां हम आपको खाना खाने के तुरंत बाद की गई ऐसी ही 3 गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जो वजन कम नहीं होने देती हैं। इस बारे में डाइटिशियन सिमरन कौर जानकारी दे रही हैं। सिमरन सर्टिफाइड डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट हैं। वह हार्मोन और गट हेल्थ कोच व योगा एक्सपर्ट भी हैं।

खाने के तुरंत बाद बैठ जाना

अगर आप खाना खाने के तुरंत बाद बैठ जाते हैं, तो इससे डाइजेशन पर असर होता है। वहीं, खाने के तुरंत बाद सोने से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मोबिलिटी स्लो हो जाती है और खाना आसानी से नहीं पचता है। जिसकी वजह से अपच हो जाती है। खाने के तुरंत बाद अगर आप लेटते हैं, तो इससे भी खाना पेट में स्टोर हो जाता है और वजन कम होने के बजाय बढ़ने लगता है। खाने के तुरंत बाद आपको कम से कम 100 कदम चलना चाहिए।

खाने के तुरंत बाद फल खाना

खाने के बाद फल खाने को काफी लोग हेल्दी मानते हैं, लेकिन एक्सपर्ट की मानें तो यह सेहत के लिए खराब होता है। असल में फलों में मौजूद फ्रक्टोज, शरीर में ट्राईग्लिरसाइड्स बढ़ा देते हैं, जो वजन और हार्ट के लिए अच्छे नहीं होते हैं।

खाने के तुरंत बाद पानी पीना

खाने के तुरंत बाद पानी पीने से गैस्ट्रिक जूस डाइल्यूट हो जाते हैं और इससे डाइजेशन का प्रोसेस स्लो हो जाता है। इसकी वजह से जठराग्नि भी ठंडी हो जाती है और खाना नहीं पचता है। यह बिना पचा हुआ खाना हमारे सिस्टम में रहकर, एसिड रिफलक्स और पेट और सीने में जलन की वजह बनता है।

पेट फूलने की समस्या से ऐसे मिलेगी निजात

खाना-खाने के बाद आपका भी पेट फूल कर गुब्बारा हो जाता है। हर वक्त पेट में गुड़गुड़ी महसूस होती है तो एक्सपर्ट के बताए ये टिप्स आपके काम आ सकते हैं। खराब जीवन शैली के चलते आज कल सबसे ज्यादा डाइजेशन से जुड़ी समस्या देखने को मिलती है। कुछ लोग तो जरा भी खाते हैं तो पेट फूल कर गुब्बारा हो जाता है। ऐसा महसूस होता है कि अब बस पेट फट जाएगा। इसके कारण पेट में दर्द, बार-बार गैसी महसूस होना लगा रहता है। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे खाना देर से खाना, जरूरत से ज्यादा खाना, हेवी खाना वगैराह वगैराह। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो कुछ ऐसे तरीके हैं जिसे अपनाकर इस समस्या से झट से राहत पा सकते हैं। इस बारे में जानते हैं योगा एक्सपर्ट डॉ. नुपूर रोहतगी से। एक्सपर्ट के मुताबिक ब्लोटिंग या अपच होने पर वायु मुद्रा करने से आराम मिल सकता है। ये मुद्रा शरीर से टॉक्सिन निकालने में मदद करता है। वायु मुद्रा शरीर में वायु को संतुलित करने का काम करती है। ये मुद्रा करने से आपके शरीर में मौजूद अतिरिक्त हवा निकल जाती है। ये गैस और अपच की समस्याओं से तुरंत राहत दिला सकती है। आइए जानते हैं वायु मुद्रा करने का तरीका क्या है? वायु मुद्रा करने के लिए आप शांत वातावरण में सुखासन में बैठ जाएं। खुद को रिलैक्स करें, कंधे को ढीला करें और दिमाग को शांत रखें।

कॉन्फिडेंस को करना है मजबूत तो इस योग मुद्रा की लें मदद

जीवन में कुछ हासिल करने के लिए कॉन्फिडेंट रहना बहुत जरूरी है। कॉन्फिडेंस मजबूत करने के लिए आप इस मुद्रा की मदद ले सकते हैं। इसे करने का सही तरीका एक्सपर्ट से जानें।

जीवन में कुछ हासिल करने के लिए कॉन्फिडेंट रहना बहुत जरूरी है। कॉन्फिडेंस के लिए जहां पॉजिटिव विचार और अच्छी सोच जरूरी है। वहीं, कई मुद्राएं भी इसमें आपकी मदद कर सकती हैं। मुद्रा करने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। कई ऐसी मुद्राए हैं, जो आपकी हेल्थ को सुधार सकती हैं। महिलाओं की फर्टाइल हेल्थ के लिए भी कुछ मुद्रा बहुत अच्छी होती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आत्मविश्वास हमें जीवन के अनुभवों के लिए बेहतर तरीके से तैयार महसूस करने में मदद करता है। जब हम किसी चीज को लेकर आश्वस्त होते हैं, तो स्वाभाविक तौर पर उसके प्रति हमारी कार्य गुणवत्ता बढ़ती है। योग विशेषज्ञों का मानना है कि बचपन से ही दिनचर्या में योगासनों को शामिल करने की आदत शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करने के साथ आपको जीवन में बेहतर तरीके से आगे बढ़ने में मदद करती है।

शरीर में एनर्जी के फ्लो को कंट्रोल करने के लिए यह मुद्रा फायदेमंद है। कई पावरफुल और बड़ी हस्तियां भी इस मुद्रा को करती हैं। इसे उत्तरबोधि मुद्रा कहा जाता है। आत्मविश्वास को बढ़ाने में यह मुद्रा किस तरह फायदेमंद है और इसे करने का सही तरीका क्या है, इस बारे में हमें आयुर्वेदिक डॉक्टर जीतू रामचंद्रन बता रही हैं।

उत्तरबोधि मुद्रा

उत्तरबोधि मुद्रा को आत्मज्ञान की मुद्रा भी कहा जाता है। यह मुद्रा गट हेल्थ के लिए भी काफी अच्छी मानी जाती है। इसके अलावा, जो लोग दिमागी मेहनत करते हैं, उन्हें भी यह मुद्रा जरूर करनी चाहिए।सांस से जुड़ी परेशानियों में भी यह मुद्रा बहुत कारगर है। यह मुद्रा आपके अंदर चेतना पैदा करती है। इस मुद्रा में रहते हुए आस-पास की चीजों को आप ज्यादा अच्छे से समझ पाते हैं। इससे एकाग्रता में भी सुधार होता है।अगर आप विचारों में उलझे हुए हैं, तो इस मुद्रा से आपको उलझन से राहत मिल सकती है।इस मुद्रा को करने से डिप्रेशन भी दूर होता है। यह मुद्रा आपकी क्रिएटिविटी भी सुधारती है। अगर आपको भटकाव महसूस हो, तो इस मुद्रा का अभ्यास करें।

उत्तरबोधि मुद्रा कैसे करें?

अपनी तर्जनी और अंगूठे को फैलाकर फंसाएं। इस मुद्रा को करने के लिए सबसे पहले अपने दोनों हाथों की उंगलियों को फंसा लें।अंगूठे को नीचे की की तरफ रखें और इंडेक्स फिंगर को ऊपर की ओर रखें। हाथों को नाभि के पास रखें। आप इस मुद्रा का रोज 10-15 मिनट अभ्यास कर सकते हैं।

कुबेर मुद्रा

इस मुद्रा का नियमित अभ्यास करने से आत्मविश्वास और मानसिक शांति बढ़ती है।

वज्रप्रदमा मुद्रा

इस मुद्रा को करने से खुद पर और आगे आने वाली बड़ी चीज़ों पर भरोसा पैदा होता है। यह मुद्रा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दुर्व्यवहार या तोड़े जाने के बाद विश्वास को ठीक करने में भी मदद करती है।

नींद आने में होती है मुश्किल तो इन टिप्स की लें मदद

दिनभर एनर्जेटिक रहने और रूटीन के हिसाब से काम करने के लिए नींद पूरी होना बहुत जरूरी है। आपने अक्सर महसूस किया होगा कि जब आपकी नींद पूरी नहीं होती है, तो न केवल मूड चिड़चिड़ा रहता है, बल्कि पूरे दिन थकान भी बनी रहती है। महिलाओं के नींद न आने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से एक पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम यानि पीसीओएस भी है।

पीसीओएस की वजह से महिलाओं के शरीर में हार्मोनल इंबैलेंस होता है। इसके चलते नींद, पाचन और भी कई चीजों पर असर होता है। अगर आपको भी पीसीओएस यानी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम की समस्या है और इसके चलते नींद आने में मुश्किल होती है, तो एक्सपर्ट के बताए टिप्स की मदद लें। डाइटिशियन और लाइफस्टाइल कोच राधिका गोयल ने इस पर विस्तार से जानकारी दी।

सोने से 2-3 घंटे पहले करें डिनर

अच्छी नींद के लिए यूं भी आपको सोने से 2-3 घंटे पहले डिनर लेना चाहिए। खासकर, अगर आप पीसीओएस से परेशान हैं, तो इस बात का खास ख्याल रखें क्योंकि पीसीओएस में डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं जल्दी और ज्यादा होती हैं। अगर आप सोने से 2-3 घंटे पहले डिनर करती हैं, तो शरीर में खाना डाइजेस्ट करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है और आपको पूरा आराम मिल जाता है।

न करें कैफीन का सेवन

अच्छी नींद के लिए कैफीन के सेवन पर ध्यान दें। खासकर, अगर आपको पीसीओएस है, तो कैफीन नींद को काफी हद तक डिस्टर्ब कर सकता है। इसलिए शाम 4 बजे के बाद कैफीन ड्रिंक्स जैसे चाय-कॉफी (चाय पीने का सही वक्त और तरीका) न लें। एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप सोने से 3-6 घंटे पहले लगभग 400 मिलीग्रीम कैफीन लेती हैं, तो इससे नींद आने में मुश्किल हो सकती है।

सूरज की रोशनी लें

अच्छी नींद के लिए सूरज की रोशनी भी जरूरी है। हमारे सोने-जगने के साइकिल पर सुबह के वक्त की सनलाइट काफी असर डालती है।

बीटरूट खाने में नखरे दिखाते हैं बच्चे, तो कुछ इस तरह से करें भोजन में शामिल

बीटरूट जिसे हिंदी में चुकंदर कहा जाता है। इसमें विटामिन सी, मैंगनीज, पोटेशियम, फाइबर और आयरन समेत कई दूसरे पोषक तत्व पाए जाते हैं। चुकंदर के सेवन से शरीर से खून की कमी भी दूर होती है। लेकिन बच्चे और बड़े हर कोई इसे खाने में आनाकानी करते हैं। ऐसे में आज हम आपको चुकंदर को अपनी डाइट में शामिल करने के लिए कुछ टिप्स बताएंगे, जिससे लोग बहुत आसानी से इसे खाएंगे। दरअसल चुकंदर का स्वाद खाने में बेहद अजीब होता है इसलिए लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं। ऐसे में बताए गए ये आसान युक्तियां आपके काम आएगी।

बेक्ड चुकंदर

कच्चा चुकंदर खाने के बजाए उसे बेक करें और स्वादिष्ट मसाले के स्वाद के साथ इसके स्वाद का मजा लें। चुकंदर को अच्छे से धोकर छील काट लें और उसमें ऑलिव ऑयल ब्रश करें फिर नमक, मिर्च, रोजमेरी और पार्सले डालकर ओवन में बेक करने के लिए रखें। कुछ देर में आपका बेक्ड बीटरूट चिप्स तैयार है, इसे खाने के लिए सर्व करें।

चुकंदर पराठे

चुकंदर और पत्ता गोभी की स्टफिंग से तैयार एक स्वादिष्ट पराठे की रेसिपी है, जिसे हर कोई खाना पसंद करेंगे और इसके पोषण भी आपको मिलेगी। आलू या पत्ता गोभी के चोखा में अच्छे से चुकंदर को बारीक काट कर या घीसकर मिलाएं। अब इस स्टफिंग से पराठे बनाएं। बीट रूट से आप स्वादिष्ट जूस भी बना सकते हैं। इसके लिए चुकंदर को साफ धोकर छील लें और बारीक काटकर जार में रखें। अब जार में नींबू का रस, काला नमक और पुदीना के पत्ते डालकर पीस लें। अब इसे सर्विंग ग्लास में आइस क्यूब के साथ सर्व करें।

बीटरूट इडली

बीटरूट इडली बनाने के लिए पहले उड़द और चावल को भिगोकर 3-4 घंटा रखें, जब चावल और उड़द भीग जाए तो उसे अच्छे से मिक्सर जार में पीस लें। इडली के इस स्मूथ बैटर में नमक, बेकिंग सोडा और दही डालकर खमीर आने के लिए छोड़ दें। खमीर आ जाने के बाद बीटरूट को धोकर छील लें।

कार्नर न्यूज

हमारे देश में तेजी से लोकप्रिय होने वाले खेलों में से एक है स्नूकर

अभिजात्य वर्ग तक सीमित नहीं रहा स्नूकर हर कोई अपना सकता है शान का यह खेल

स्नूकर एक विश्व प्रसिद्ध खेल है, जो क्यू स्पोर्ट, बिलियड्र्स से विकसित हुआ है। इसकी शुरुआत 19वीं शताब्दी के अंत में हुई थी। स्नूकर का पहला अधिकारिक टूर्नामेंट सन 1916 में हुआ था और पहली विश्व चैम्पियनशिप सन 1927 में हुई थी। इसके बाद से ही स्नूकर का खेल लोकप्रिय होना शुरू हुआ।

इस खेल का उद्देश्य स्टिक के माध्यम से सफेद क्यू बॉल की मदद लेकर अन्य गेंदों को सही क्रम में टेबल के चारों ओर बने छेदों में डालना है। जो भी खिलाड़ी स्नूकर के नियम के अनुसार, पहले सभी बॉल छेद तक पहुंचा देता है वह जीत जाता है।इस खेल में विजेता वह व्यक्ति होता है जो एक फ्रेम में सबसे अधिक अंक प्राप्त करता है। जब एक खिलाड़ी के पास टेबल पर बची बॉल्स के अंकों की तुलना में अधिक अंकों की बढ़त होती है, तो प्रतिद्वंद्वी को "नीड स्नूकर्स" कहना होता है।

स्नूकर वह जगह है जहां गेंदों को इस तरह रखा जाता है कि खिलाड़ी सीधे अगली टारगेट गेंद को हिट ना कर सके, जिससे दूसरा खिलाड़ी फ़ाउल करने पर मजबूर हो जाए और वह चार अंक बटोर ले। यदि किसी खिलाड़ी को लगता है कि वह स्नूकर को मजबूर करके भी जीत नहीं पाएगा, तो वह फ्रेम को स्वीकार कर सकता है। सिक्का उछाल कर टॉस के साथ इस खेल की शुरुआत की जाती है। डी में क्यू-बॉल के साथ ब्रेक बनाया जाता है, जिसमें एक लाल बॉल को हिट करना जरूरी होता है।

दोनों खिलाड़ियों की सहमति होने पर एक फ्रेम को फिर से शुरू किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि दोनों खिलाड़ी सहमत हैं कि गेंदों को इस तरह रखा गया है कि फ्रेम गतिरोध का कारण बन सकता है, तो वे फ्रेम फिर से शुरू कर सकते हैं।एक पुश शॉट, जो कि फ़ाउल माना जाता है, तब होता है जब क्यू की नोक क्यू-बॉल के संपर्क में रहती है क्योंकि यह बदले में टारगेट बॉल को छूती है।

क्यू बॉल को क्यू के केवल एक क्लीन स्ट्राइक के साथ खेला जाना चाहिए। यदि खिलाड़ी सही गेंद को हिट नहीं करता है या उसका हिट मात्र एक अभ्यास था, तो रेफरी उस स्ट्राइक को मिस कॉल घोषित कर सकता है। इस पर दूसरे खिलाड़ी को फाउल के चार अंक मिलते हैं और उसके पास यह अधिकार होता है कि वह खिलाड़ी को दुबारा शॉट खेलने का मौका देना चाहता है या नहीं।

अगला शॉट खेलने से पहले सभी गेंदें स्थिर होनी चाहिए। क्यू गेंद को पहले नामांकित गेंद को हिट करना जरूरी है, या यदि यह लाल है, तो किसी भी लाल गेंद को। किसी भी गेंद को सीधे हिट करना या गैर-नामांकित गेंद को हिट करना फ़ाउल माना जाता है। अपने शरीर के किसी भी हिस्से से बॉल को छूना या फिर स्टिक से सफेद गेंद के अलावा किसी अन्य गेंद को छूना भी फ़ाउल माना जाता है।

यदि कोई गेंद उछल कर टेबल से बाहर गिर जाती है तो वह भी फ़ाउल होगा। लाल गेंदों को छोड़कर बाकी रंग की बॉल्स को फिर से टेबल पर उसी जगह रखा जा सकता है। जिस स्थान पर जिस रंग की गेंद रखी जाती है, यदि उस स्थान पर पहले से ही दूसरी गेंद मौजूद हैं, तो उन गेंदों को अगले उच्चतम स्थान पर रख दिया जाता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही हॉलीवुड के बहुत से सितारों ने छोड़ा एक्स

अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा चुने जाने से कुछ ए लिस्टर स्टार्स खासा नाराज हैं। यही वजह है कि उन्होंने एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को अलविदा कह दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा चुने जाने से चंद सितारे खासा नाराज हैं। यही कारण है कि कुछ ए-लिस्टर सेलिब्रिटीज ने एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को छोड़ दिया है। एक्स छोड़ने वाले सितारों का कहना है कि वह मंच पर गलत सूचना और नकारात्मकता बढ़ने के साथ-साथ कथित सेंसरशिप से परेशान थे। पूर्व रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराया था। वहीं, चुनाव के नतीजे आने के एक सप्ताह बाद कई हस्तियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स से किनारा कर लिया। ऑस्कर विजेता निर्देशक गुइलेर्मो डेल टोरो ने अपने लाखों ट्विटर फॉलोअर्स से कहा कि उनका अकाउंट ज्यादातर अप्रयुक्त रहेगा। उन्होंने लिखा, 'मैं अधिक से अधिक समय ब्लूस्काई का ही इस्तेमाल करूंगा।' हॉलीवुड कलाकार मार्क हैमिल की एक्स पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। हालांकि, उन्होंने इसे छोड़ने का एलान कर अपने प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया। मार्क हैमिल ने एक्स से अलग होकर ब्लूस्काई पर लिखा, 'मुझे यकीन है कि मुझे एक्स-एक्स कहा जाएगा, लेकिन व्यक्तिगत रूप से, मैं हमेशा खुद को ट्विटर क्विटर मानूंगा।'

टॉलीवुड

'मिस यू'-'पुष्पा 2' का होगा टकराव, सिद्धार्थ बोले- चिंता मुझे नहीं, उन्हें करनी चाहिए

नवंबर के महीने में भुल भैलया 3 और सिंघम अगेन के बॉक्स ऑफिस पर टकराव के बाद अब दिसंबर में भी सितारों के बीच सिनेमाघरों में जंग देखने को मिलने वाली है। हम बात कर रहे हैं अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 द रूल और सिद्धार्थ अभिनीत फिल्म मिस यू की। दोनों ही फिल्में कुछ ही समय के अंतराल पर बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली हैं। इस बीच सिद्धार्थ ने एक प्रेस मीट में इस टकराव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं है। अभिनेता ने कहा कि इसकी चिंता पुष्पा 2 के निर्माताओं को करनी चाहिए। सिद्धार्थ का मानना है कि अगर उनकी फिल्म अच्छी होगी, तो दर्शक उसे जरूर पसंद करेंगे। चाहे कोई भी बड़ी फिल्म क्यों न रिलीज हो। सिद्धार्थ ने कहा, ₹अगर मेरी फिल्म अच्छी होगी, तो उसे दर्शकों से प्यार मिलेगा और वह सिनेमाहॉल में बनी रह सकती है। एक अच्छी फिल्म को लोग छोड़ नहीं सकते, खासकर इस सोशल मीडिया के जमाने में जहां हर फिल्म की चर्चा होती है।₹ उन्होंने यह भी कहा कि इस बात की चिंता पुष्पा 2 के निर्माताओं को करनी चाहिए, क्योंकि उनकी फिल्म की सफलता का रास्ता सही फिल्म बनाने पर निर्भर करता है।

सिद्धार्थ और अशिका रंगनाथ अभिनीत 'मिस यू' एक हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी है, जो 29 नवंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को एक रोलरकोस्टर रोमांटिक कहानी की झलक देता है। इस फिल्म का निर्देशन एन राजशेखर ने किया है। इसमें करणकरण, मारन, बाला सरवनन, अनुपमा और रामा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

वहीं दूसरी ओर, अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2ः द रूल' 5 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। यह 2021 की ब्लॉकबस्टर 'पुष्पाः द राइज' का सीक्वल है, जिसका निर्देशन सुकुमार ने किया है।

भोजपुरी

अनारा और शुभि की 'सास की सास बनूंगी मैं' का ट्रेलर रिलीज

शुभि शर्मा और अनारा गुप्ता की भोजपुरी फिल्म 'सास की सास बनूंगी मैं' का ट्रेलर रिलीज होते ही छा गया है। फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म में सास के टॉर्चर की कहानी दिखाई है और भोजपुरी फिल्म 'सास की सास बनूंगी मैं' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जो चर्चा बटोर रहा है। भोजपुरी फिल्मों के फैंस ट्रेलर के दीवाने हो गए हैं, और उनका कहना है कि ये फिल्म जल्दी आनी चाहिए। 'सास की सास बनूंगी मैं' फिल्म में अनारा गुप्ता, शुभी शर्मा, श्रुति राव, प्रशांत सिंह, राकेश बाबू, संतोष श्रीवास्तव, विद्या सिंह, अयाज खान, के के गोस्वामी और इला पांडेय हैं।फिल्म का कॉन्सेप्ट संदीप सिंह का है और इसे इश्तियाक शेख बंटी ने डायरेक्ट किया है। 'सास की सास बनूंगी मैं' का म्यूजिक ओम झा ने दिया है, जबकि गीतकार अरबिंद तिवारी और प्यारे लाल यादव हैं। 'सास की सास बनूंगी मैं' फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि एक सास अपनी बहू पर खूब अत्याचार करती है। वह उसे खूब प्रताड़ित करती है। बेचारी बहू कुछ नहीं कर पाती और रोती रहती है। फिल्म में तीन सास हैं और उनकी तीन बहुएं हैं। तीनों सास एक-दूसरे को दिखाकर अपनी-अपनी बहुओं को खूब टॉर्चर करती हैं और ताने मारती हैं। लेकिन एक वक्त आता है, जब बहुएं अपने साथ हुए अत्याचार का बदला लेने पर उतर आती हैं।

सजी-धजी 'सजनी'

लाइफ स्टाइल

अहमदाबाद फैशन वीक 2024 के ग्रैंड फिनाले की एक झलक। विनल पटेल के 'सजनी' कलेक्शन से एक असाधारण ब्राइडल क्रिएशन में शोस्टॉपर के रूप में रनवे पर हिना खान की मंत्रमुग्ध करने वाली उपस्थिति रही। एक दुल्हन के तौर पर उन्होंने शो में रंग जमा दिया।

रूखापन, फटी एड़ियों से पाएं छुटकारा इन तरीकों से

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के कारण अक्सर पैरों की केयर को नजरअंदाज कर दिया जाता है। लिहाजा पैरों में रूखापन, एड़ियों का फटना जैसी समस्या बनी रहती है। ऐसे में आप कुछ टिप्स फॉलो करके अपने पैरों को खूबसूरत बना सकती हैं। हर हफ्ते अपने पैर की उंगलियों की अच्छे से सफाई करें। नाखूनों पर क्यूटिकल ऑयल रगड़ें और 10 मिनट के लिए अपने पैरों को हल्के गर्म पानी में भिगोएं। पेडीक्योर किट से क्यूटिकल्स को हटाएं।

पैरों को मुलायम रखने के लिए उन्हें एक्सफोलिएट करें। हर दिन पैरों की सफाई कर डेड स्किन हटाएं। पैरों को अच्छे से स्क्रब करें और एड़ियों को रगड़ कर साफ करें। पैरों को गुनगुने पानी में भिगोने से डेड स्किन आसानी से निकल जाती है। पैरों को अच्छे से मॉइश्चराइज करें। रात में फुट क्रीम लगाकर सोने से पैर मुलायम रहते हैं। पैरों की अंगुलियों पर अच्छे से मसाज करें। अपने पैरों को ज्यादा गर्म पानी में न भिगोएं। गर्म पानी आपके पैरों की त्वचा को रूखा कर सकता है। पैरों को साफ करने के लिए गर्म पानी की जगह गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें।

सिर पर नहीं टिकता पल्लू तो नई दुल्हनों के काम आएंगी ये ट्रिक्स

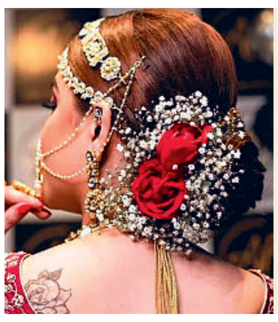

शादी के बाद हर दूल्हा और दुल्हन की जिंदगी में काफी बदलाव आता है। दूल्हे को तो इस बदलाव को अपनी जिंदगी में शामिल करने में ज्यादा परेशानी नहीं होती क्योंकि उनकी बस जिम्मेदारियां बढ़ती हैं लेकिन एक दुल्हन की तो जिंदगी ही शादी के बाद बदल सी जाती है। खासतौर पर जब कोई लड़की दुल्हन बनकर नए घर जाती है, तो उनसे तमाम तरह की उम्मीदें की जाती हैं। लड़कियों के रहने-सहने से लेकर उनके पहनावे तक में काफी बदलाव आता है।

भले ही शादी कितनी भी मॉर्डन परिवार में हुई हो, लेकिन शादी के बाद की रस्मों में साड़ी ही पहननी पड़ती है और पूजा के वक्त सिर पर पल्लू भी रखना पड़ता है। सिर पर पल्लू रखना कई जगह की प्रथा में भी शामिल है लेकिन शुरुआत के वक्त पल्लू बार-बार सिरकता रहता है। इसी परेशानी को देखते हुए आज हम आपको पल्लू सेट करने के कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

बालों में बनाएं जूड़ा

अगर आपके सिर पर पल्लू नहीं टिकता है तो बालों को खुला रखने की बजाए उसमें जूड़ा बनाएं। जूड़ा बनाकर आप अपने पल्लू को इसमें अटैच कर सकते हैं। इसके लिए आपको जूड़ा पिन की मदद लगेगी। जूड़ा पिन लेकर अपने पल्लू को जूड़े में अटैच कर दें।

कंधे पर करें पिनअप

अपने पल्लू को सेट करने के लिए आप एक पिन कंधे पर जरूर लगाएं। इससे सिर पर से पल्लू हटेगा नहीं। आप आसानी से सेफ्टी पिन लगाकर कंधे पर साड़ी का थोड़ा सा पल्लू सिक्योर कर सकती हैं।

ऐसे सेट करें बॉर्डर वाली साड़ी का पल्लु

अगर आपकी साड़ी में हैवी बॉर्डर है तो आप बॉर्डर वाली साड़ी का पल्लू सिर पर लेते समय पीछे साइड पर एक हुक लगा लें। इस हुक को अपने बालों में फंसा लें।

रूसी से छुटकारे के साथ बालों को बनाएं सेहतमंद

सर्दियों के मौसम में रूसी यानि डैंड्रफ की सबसे बड़ी समस्या ये है कि ये हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाता है और जब लोगों के कंधों पर डैंड्रफ दिखने लगता है, तो लोग बेहद परेशान हो जाते हैं। वैसे अगर आप चाहें तो इस स्थिति पर नियंत्रण पा सकते हैं और उन कई कारणों को कम कर सकते हैं, जो सर्दियों में आपके बालों को खराब करते हैं और आपको डैंड्रफ की ओर ले जाते हैं। और सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि इनमें से अधिकतर उपाय न केवल आसान हैं, बल्कि इनमें बहुत कम समय भी लगता है।

नारियल का तेल आपकी त्वचा और बालों से संबंधित लगभग सभी समस्याओं से निपटने का एक शानदार तरीका है। हालांकि, जब बात आपके बालों और सिर की त्वचा को फिर से जीवंत करने की आती है, तो यह बिल्कुल नए स्तर पर काम करता है। नारियल तेल की गर्म मालिश न केवल आपके स्कैल्प को नमी बनाए रखने में मदद करती है, बल्कि यह ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में भी बहुत प्रभावी है, जो बदले में न केवल आराम देता है, बल्कि आपकी स्किन को भी एक अच्छी वाइब देता है। हम जानते हैं कि ज्यादातर लोग सर्दियों में नियमित रूप से नहाने से बचते हैं, लेकिन यह बिल्कुल अच्छी आदत नहीं है। मौसम की परवाह किए बिना रोज नहाना आपके लिए बहुत फायदेमंद है। आप जो कर सकते हैं, वह है पानी का तापमान नियंत्रित करना। गर्म पानी या बर्फीले ठंडे पानी से स्नान करने के बजाय, पानी को सही तापमान पर सेट करने का प्रयास करें। यह न केवल आपके बालों में दिन भर जमा होने वाली अधिकांश धूल और मिट्टी को धो देता है, बल्कि यह आपकी स्किन को अधिक ब्लड सर्कुलेशन की सुविधा प्रदान करता है।

प्राकृतिक तरीकों से मिटाने हैं चेहरे के दाग-धब्बे तो अपनाएं ऐसे तरीके

बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल का असर लोगों के शरीर के साथ-साथ चेहरे पर भी दिखाई देता है। जिस तरह से खराब लाइफस्टाइल से शरीर आंतरिक रूप से कमजोर होता है, ठीक उसी तरह से बाहर के खान-पान और तनाव के चलते चेहरे पर कई परेशानियां दिखने लगती हैं। इसके अलावा हार्मोन्स के असंतुलन, तेज धूप या पिंपल्स के कारण चेहरे पर काले दाग-धब्बे हो जाते हैं, जिन्हें छुपाना आसान नहीं होता।

इन सभी परेशानियों से छुटकारा दिलाने के लिए बाजार में तमाम तरह के प्रोडक्ट मिल जाते हैं, जिनमें काफी ज्यादा केमिकल भी पाया जाता है। ऐसे में ये फायदा पहुंचाने की बजाय नुकसान भी पहुंचा देते हैं। इसी के चलते ज्यादातर लोग चेहरे को चमकाने के लिए घरेलू प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। आज के लेख में हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप अपने चेहरे के दाग-धब्बों को साफ कर सकते हैं।

दही और नींबू_ अगर आप दमकती त्वचा पाना चाहते हैं तो इस पैक के इस्तेमाल से आपका चेहरा खिल उठेगा। इसे बनाने के लिए आपको दही में नींबू का रस मिलाने की जरूरत है। इनमें मौजूद ब्लीचिंग तत्व से चेहरे पर अच्छा असर दिखाता है।

एलोवेरा जेल_ अगर आपके पास पैक बनाने और इसे लगाने का समय नहीं है तो सिर्फ एलोवेरा जेल के इस्तेमाल से आप दमकती त्वचा पा सकते हैं। इसके इस्तेमाल से लिए आपको चेहरा धोने के बाद एलोवेरा जेल को सही से चेहरे पर लगाना है।

कार्नर न्यूज

अलग-अलग टेक्सचर के साथ अपनाएं ब्लैक ड्रेसिंग

ब्लैक ड्रेसिंग के लिए कुछ टिप्स करेंगे आपकी मदद, लुक दिखेगा परफेक्ट

काला रंग आपको बहुत पसंद है और इसको पहनने का कोई भी मौका आप हाथ से नहीं जाने देते हैं तो ऑल ब्लैक लुक अपनाने का सही तरीका जान लीजिए। ऐसा न हो कि आप ब्लैक लुक के चक्कर में अपना लुक ही बिगाड़ लें। इसलिए जरूरी है कि काला ड्रेस अप लेने से पहले कुछ खास ड्रेसिंग टिप्स आजमा लिए जाएं। इन टिप्स के साथ आपका ऑल ब्लैक लुक सबको खूब भाएगा।

ब्लैक कपड़े ही पहनने हैं तो इनमें अलग-अलग टेक्सचर अपनाएं। इसके लिए अलग-अलग टेक्सचर के फैब्रिक का चुनाव करें।

डेनिम, कॉटन और लेदर जैसे फैब्रिक काले कलर में अच्छे लगते हैं और अलग सा टेक्सचर भी देते हैं। इनको मैच करने का एक तरीका है कि आप ऊपर एक फैब्रिक लें और नीचे के कपड़ों के लिए दूसरा।

हमेशा अच्छे से फिट होने वाले ब्लैक कपड़े ही चुनें। इसके लिए आप स्लिम, टेम्पर्ड और रेगुलर फिट चुनिए, इससे आपको मोनोक्रोमोटिक लुक मिल जाता है। काले रंग के कपड़े अगर ज्यादा बड़े होंगे तो उनमें आपका लुक काफी भारी भरकम आएगा।

आपके ब्लैक लुक को कूल टच देने के लिए आपको ऐसे ब्लैक कपड़े चुनने होंगे जिनमें ग्राफिक या प्रिंट्स हों। इस तरह से आपके कपड़ों को कूल टच मिलेगा। वही काले कपड़े आपको इन ग्राफिक के साथ बेहतरीन लुक देंगे। ग्राफिक के साथ स्लोगन लिखे काले कपड़े भी कमाल करते हैं। अपने ऑल ब्लैक लुक के साथ एसेसरीज पहनकर आप अपने इस लुक को परफेक्ट बना सकते हैं। चंकी चेन, नेकलेस और रिंग जैसी एसेसरीज इस पूरे काले लुक को पर 'चेरी ऑन द केक' का काम करेंगी। पूरा काला लुक पहनने से लोग बचते रहते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि ऊपर से नीचे तक काला पहनकर लुक अजीब आएगा। इसलिए आप 'शो सम स्किन' वाला फंडा अपनाइए। जैसे ब्लैक कपड़े पहनें तो जींस डिस्ट्रेस वाली ले लें।